CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

KANPUR UNIVERSITY'S

QUESTION BANK

PRASHNA BANK

Bridge to Academic Excellence

भारत में समाजः संरचना, संगठन और परिवर्तन

B.A. II SEM

Highlights

- Brief and Intensive Notes
- Multiple Choice Questions

Based on **NEP 2020**

Dr. Rashmi Singh

SYLLABUS

Units	Topics
Unit I	भारतीय समाज की संरचना और बनावट, गांव, कस्बा, नगर, ग्रामीण- नगरीय अनुबंध, भारतीय समाज में विविधता में एकता
Unit II	भारतीय समाज के अध्ययन के भारतविधाशास्त्रीय, ऐतिहासिक और संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य
Unit III	सांस्कृतिक और नृजातीय विविधता: भाषा,जाति, क्षेत्र, धार्मिक विश्वास और व्यवहारों के संबंध में विविधताएँ
Unit IV	भारत में जनजातीय समुदाय: भौगोलिक वितरण,जनजातियों में पिछड़ापन और अल्पविकास, आत्मसात्मीकरण, एकीकरण और दृढ़ीकरण की समस्या
Unit V	भारतीय समाज की आधारभूत संस्थाएँ: जाति, विवाह, धर्म, वर्ग और संयुक्त परिवार
Unit VI	भारत में सामाजिक वर्ग: कृषक -ग्रामीण औद्योगिक- नगरीय, मध्यम वर्ग,बहिष्कार और समावेशन, पिछड़ा वर्ग, दलित और महिलाएं
Unit VII	जनसंख्या: संरचना और गतिकी, जनांकिकीय विश्लेषण, जनसंख्या विस्फोट, जनांकिकीय सिद्धांत, जनसंख्या वृद्धि एवं नियंत्रण
Unit VIII	भारतीय समाज में परिवर्तन और रूपांतरण, राष्ट्रीय एकीकरण को प्रभावित करने वाले कारक: जातिवाद और भारत में जाति की राजनीति, सांप्रदायवाद और भारत में सांप्रदाय की राजनीति, नक्सलवाद

डॉ.रश्मि सिंह

समाजशास्त्र विभाग

महिला महाविद्यालय, (पी.जी. कॉलेज) कानपुर

Unit I

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

भारतीय समाज की संरचना और बनावट- भारतीय समाज की संरचना अत्यंत व्यापक जटिल और विविधतापूर्ण है। इसके भौतिक और सांस्कृतिक पक्ष आज व्यापक परिवर्तन हो जाने के बाद भी सामाजिक और आर्थिक आधार पर यह एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की विभिन्न संस्थाओं और संबंधों की व्यवस्था पर कृषि का प्रभाव बना रहने के कारण परंपरा और आधुनिकता के बीच निरंतरता देखने को मिलती है, इसी कारण समाजशास्त्रियों ने भारतीय समाज को समझने के लिए ग्रामीण समाज के अध्ययन पर बल दिया।

ग्राम- ग्राम (गांव) एक ऐसा समुदाय है जहाँ के लोगों का जीवनयापन मुख्यतः कृषि पर निर्भर है । इसकी प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है-

1. कृषि मुख्य व्यवसाय

2. प्रकृति से घनिष्ठता

3. छोटा आकार

4. आत्मनिर्भरता

5. संयुक्त परिवार

6.स्थानीय स्वशासन

7. प्राथमिक संबंध

कस्बा- सामान्यतः कस्बा उस बस्ती को कहा जाता है जिसकी आबादी 5000 से 10,000 तक हो, प्रति वर्ग किलोमीटर में वहाँ जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति से कम न हो तथा उस क्षेत्र में कम से कम 75% जनसंख्या गैर कृषि कार्यों में संलग्न हो।

नगर- नगर वह समुदाय है जिसके अधिकांश निवासी कृषि के अतिरिक्त दूसरे व्यवसायों से संलग्न हैं। इसकी प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है

1. अधिक जनसंख्या

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR
आरोह तमसो ज्योतिः

2. आर्थिक क्रियाओं का केंद्र

3. द्वितीयक संबंध

4. शिक्षित और तर्कप्रधान जीवन

5. अधिक गतिशीलता

ग्रामीण नगरीय संयोजन- भारतीय ग्रामीण और नगरीय जीवन में यद्यपि अनेक अंतर है परंतु इसके बावजूद ये दोनों एक दूसरे से भिन्न नहीं हैं। इनके बीच परस्पर अंतःक्रिया होती रहती है। इसके पारस्परिक प्रभाव ने नगरीकरण, ग्राम्य-नगरीकरण व ग्रामीण- नगरीय निरंतरता आदि प्रक्रियाओं को जन्म दिया।

ग्रामीण- नगरीय सातत्य- यह सातत्य ग्रामीण और नगरीय जीवन के बीच सामाजिक संरचना,मूल्यों, धर्म और दृष्टिकोण आदि की निरंतरता को प्रकट करता है तथा इस बात पर बल देता है कि गांव और नगर दोनों समूह परस्पर संबध्द ह। यह अवधारणा रॉबर्ट रेडफील्ड ने दी है।

भारतीय समाज में विविधता में एकता- भारत एक विविधता युक्त समाज है। जनसंख्या, प्रजाति, धर्म, जाति, राजनीति, भाषा व संस्कृति आदि की दृष्टि से भारत के विभिन्न भागों में अनेक विविधताएं पाई जाती है। इन विविधताओं के बावजूद भी विभिन्न जातियों धर्मों और संस्कृतियों के बीच एक अद्वितीय समानता और एकता सदैव से भारतीय समाज में विद्यमान रही है ।भारतीय समाज में विविधता में एकता को निम्नलिखित आयामों के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है-

धार्मिक विविधता में एकता- भारत में हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, जैन और सिख आदि धर्मों के मानने वाले लोग रहते हैं और प्रत्येक धर्म में कई मत मतांतर और सम्प्रदाय पाए जाते हैं तथा उनके नियमों और मान्यताओं में भी अनेक विभिन्नताएँ हैं । इसके बाद भी सदियों से विभिन्न धर्मावलंबी भारत में एक साथ रहते हैं।

भाषाई विविधता में एकता-भारत के कई प्रकार की भाषाओं और बोलियों का प्रचलन आदि काल से रहा है। हिंदी, उर्दू, कश्मीरी, पंजाबी, सिंधी, गुजराती आदि अनेक भाषाएं भारत के विभिन्न भागों में बोली जाती हैं। भाषा की इस विविधता के बाद भी सभी भाषाओं के बोलने वाले एक साथ रहते हैं और राष्ट्रीय एकता को और मजबूत बनाते हैं।

जातीय विविधता में एकता- जाति व्यवस्था एक खंड आत्मक संरचना है, जिसमें अनेक उपजातियां शामिल हैं। भारत में विभिन्न प्रकार की जातियां पाई जाती है, इनके बावजूद ये सभी एक साथ घुल मिलकर रहती हैं।

सामाजिक सांस्कृतिक विविधता में एकता- भारतीय समाज में विभिन्न जातियों व धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं जिसके कारण उनकी रीतिरिवाज, वस्त्र शैली व भोजन में अनेक प्रकार की विभिन्नता पाई जाती है विभिन्न प्रकार के त्योहार मनाये जाते हैं। सबके अपने अलग अलग धार्मिक विश्वास हैं, फिर भी सभी भाई-चारे और समानता की भावना के साथ देश में रहते हैं।

इस प्रकार हम देखते हैं कि अनेक विभिन्नताओं के बाद भी भारतीय समाज में विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं व जातियों आदि के लोग एक साथ निवास करते हैं और भारत की एकता को और अखंड बनाते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1.ग्रामीण समाज किस प्रकार का समाज है?

A. सरल समाज

B. जटिल समाज

C. आदिम समाज

D. विषमरुप समाज

उत्तर- A. सरल समाज

2.निम्नलिखित में कौन सी गांव की विशेषता नहीं है-

A.कृषि आधारित व्यवस्था

B.जजमानी प्रथा

C.अंधविश्वास

D.औपचारिक संबंध

उत्तर- D.औपचारिक संबंध

3."समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह है जिसमें कुछ मात्रा में हम की भावना पाई जाती हैं तथा जो किसी विशिष्ट क्षेत्र में निवास करता है"उपरोक्त परिभाषा किसकी है ?

A. लुण्डबर्ग

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
तमसो मा ज्योतिर्गमय
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

B.ऑगबर्न और निमकाॅफ

C.मैकाईवर

D.बोगार्ड्स

उत्तर-D.बोगार्ड्स

4.”नगरीयता एक जीवन शैली है” कथन किसका हैं?

A. डेविस

B.पार्क और वर्जेस

C.मैक्स वेबर

D.विर्थ

उत्तर-D. विर्थ

5.”The little Community” पुस्तक के लेखक हैं-

A.रेडफील्ड

B.मजुमदार

C.एस.सी. दुबे

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर - A.रेडफील्ड

6.”Indian Village” पुस्तक के लेखक हैं-

A.एम.एन. श्रीनिवास

B.मैकिम मैरिएट

C. एस.सी.दुबे

D.आस्कर लेविस

उत्तर- C. एस.सी.दुबे

7.एससी दुबे ने गांवों के वर्गीकरण के कितने आधार प्रस्तुत किए?

A.2

B.6

C.4

D.5

उत्तर - B.6

8.एम. एन. श्रीनिवास ने किस गांव का अध्ययन किया?

A.रामपुरा

B.समीरपेट

C.टेपोंजलान

D.करीमपुर

उत्तर- A.रामपुरा

9.प्रकृति से घनिष्ठता किस की विशेषता है?

A.गांवों की

B.नगरों की

C.महानगरों की

D.किसी की नहीं

उत्तर- A.गांवों की

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR
आरोह तमसो ज्योतिः

10. “लघु समुदाय” की अवधारणा किसने दी?

A.मैकिम मैरिएट

B. रॉबर्ट रेडफील्ड

C.एस.सी.दुबे

D. श्रीनिवास

उत्तर-B. रॉबर्ट रेडफील्ड

11. पुस्तक “India’s Changing Villages” के लेखक हैं-

A.एफ.जी.बेली

B.एस.सी.दुबे

C. विलियम वाइजर

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-B.एस.सी.दुबे

12. “किशनगढी” गांव का अध्ययन किसके द्वारा किया गया?

A.मैकिम मैरिएट

B. विलियम वाइजर

C.मैक्स वेबर

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- A.मैकिम मैरिएट

13.”The People of India” पुस्तक के लेखक हैं-

A.मैकाइवर और पेज

B.बी.आर.चौहान

C. रिजले

D. निकोलस

उत्तर-C. रिजले

14.भारत में पंचायती राज़ व्यवस्था का आरंभ हुई?

A.1965

B.1955

C.1969

D.1959

उत्तर - D.1959

15.पंचायती राज़ व्यवस्था की स्थापना किस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर की गई?

A.बलवंत राय मेहता कमेटी

B.लाकड़ावाला कमेटी

C.डी. एस. कोठारी कमेटी

D.राधाकृष्णन् कमेटी

उत्तर-A. बलवंत राय मेहता कमेटी

16.संस्कृतीकरण की अवधारणा किस विद्वान ने प्रस्तुत की?

A. डी.एन. मजुमदार

B. रॉबर्ट रेडफील्ड

C. एम.एन. श्रीनिवास

D .इरावती कर्वे

उत्तर-C.एम एन श्रीनिवास

17.”A Rajasthan Village” पुस्तक के लेखक है-

A.ए. आर. देसाई

B. ब्रजराज़ चौहान

C.एससी दुबे

D.ऑस्कर लेविस

उत्तर-B.ब्रजराज़ चौहान

18.निम्नलिखित में से कौन सी नगरीय समुदाय की विशेषता नहीं है-

A. गतिशीलता

B. मुद्रा अर्थव्यवस्था

C. परिवर्तनशीलता

D.सामाजिक समरूपता

उत्तर-D. सामाजिक समरूपता

19.निम्नलिखित में कौन सी विशेषता नगर की है-

A. गैर कृषि व्यवसाय

B. बड़ा आकार

C.अधिक जनसंख्या घनत्व

D. उपरोक्त सभी

उत्तर-D. उपरोक्त सभी

20.शहर में सामाजिक दूरी का कारण है-

A. शहर का आकार

B.निवास और कार्यस्थल के बीच की दूरी

C.सामाजिक विजातीयता

D.शहर में यातायात की समस्या

उत्तर-C. सामाजिक विजातीयता

21.जजमानी व्यवस्था पाई जाती थी-

A. गांव में

B. शहरों में

C.नगरों में

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-A.गांव में

22."ग्रामीण- नगरीय सातत्य" की अवधारणा किसके द्वारा दी गई?

A. रॉबर्ट रेडफील्ड

B. सोरोकिन

C. किंग्सले डेविस

D इनमें से कोई नहीं

उत्तर-A. रॉबर्ट रेडफील्ड

23.ग्रामीण-नगरीय सातत्य का अर्थ क्या है?

A.गाँव और शहर का अलग-अलग होना

B.गाँव से शहर तक निरंतरता

C.केवल ग्रामीण जीवन

D. केवल शहरी जीवन

उत्तर-B.गाँव से शहर तक निरंतरता

24."गांव और नगर दोनों ही समान हैं इनमें से न तो कोई दूसरे से अधिक प्राकृतिक है और न ही कृत्रिम" अवधारणा किसके द्वारा दी गई?

A. मैंकाइवर और पेज

B. सोरोकिन

C. जिम्मरमैन

D. डेविस

उत्तर A.मैकाइवर और पेज

25.गाँव और नगर के बीच संबंध का प्रमुख आधार क्या है?

A. सांस्कृतिक समानता

B. राजनीतिक निर्भरता

C. पारस्परिक आर्थिक संबंध

D. प्रशासनिक नियंत्रण

उत्तर-C. पारस्परिक आर्थिक संबंध

26.निम्न में से कौन-सा कारक गांवों से नगरों की ओर पलायन के लिए उत्तरदायी है?

A. शिक्षा के अवसर

B. रोजगार की खोज

C. औद्योगिक विकास

D .उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

27.नगर में सामाजिक संबंध किस प्रकार के होते हैं?

A. घनिष्ठ

B .भावनात्मक

C .औपचारिक

D. पारिवारिक

उत्तर-C.औपचारिक

28.ग्रामीण समाज की अर्थव्यवस्था मुख्यतः किस पर आधारित होती है?

A.उद्योग

B. व्यापार

C. कृषि

D. सेवा क्षेत्र

उत्तर- C. कृषि

29.नगरों में परिवार का प्रमुख स्वरूप क्या है?

A.संयुक्त परिवार

B.विस्तारित परिवार

C.एकल परिवार

D.कबीलाई परिवार

उत्तर- C.एकल परिवार

30.अनेकता में एकता" की अवधारणा का तात्पर्य क्या है?

A.विविधताओं का विरोध

B.समानताओं का निषेध

C.विविधताओं में अंतर्निहित एकता

D.सामाजिक संघर्ष

उत्तर-C.विविधताओं में अंतर्निहित एकता

31.निम्न में से कौन-सा तत्व भारत की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करता है?

A. जातीय भेद

B. धार्मिक असहिष्णुता

C.साझा परंपराएँ और मूल्य

D.क्षेत्रीय संघर्ष

उत्तर-C.साझा परंपराएँ और मूल्य

32."अनेकता में एकता" की अवधारणा का सर्वाधिक उपयुक्त उदाहरण क्या है?

A. क्षेत्रीय आंदोलन

B. सांस्कृतिक बहुलवाद

C.जातीय संघर्ष

D.सामाजिक विघटन

उत्तर-B. सांस्कृतिक बहुलवाद

33.भारत की राष्ट्रीय एकता का प्रमुख संवैधानिक आधार क्या है?

A.धर्म

B.भाषा

C.भारत का संविधान

D.जाति

उत्तर-C. भारत का संविधान

34.भारत में विविध वेशभूषा किसकी अभिव्यक्ति है?

A. सामाजिक विघटन

B. सांस्कृतिक विविधता

C. आर्थिक असमानता

D .राजनीतिक अस्थिरता

उत्तर- B.सांस्कृतिक विविधता

35.भारतीय समाज में सांस्कृतिक एकता का प्रमुख माध्यम क्या है?

A. शिक्षा

B. मीडिया

C. परंपराएँ और रीति-रिवाज

D.प्रशासन

उत्तर- C. परंपराएँ और रीति-रिवाज

36.निम्न में से कौन भारत की भाषाई एकता का माध्यम है?

A. केवल हिंदी

B. संस्कृत परंपरा

C. बहुभाषिक समन्वय

D. अंग्रेजी प्रभुत्व

उत्तर- C.बहुभाषिक समन्वय

37.. भारत में सामाजिक बहुलता का अर्थ क्या है?

A.एकरूपता

B.विविध सामाजिक समूहों का सह-अस्तित्व

C.सामाजिक विघटन

D. सामाजिक संघर्ष

उत्तर-B.विविध सामाजिक समूहों का सह-अस्तित्व

38. पुस्तक "Caste,Class and Occupation" के लेखक हैं-

A.जी.एस.घुरिये

B. सोरोकिन

C.एससी दुबे

D.ऑस्कर लेविस

उत्तर-A.जी.एस.घुरिये

39. पुस्तक "Remembered Village" के लेखक हैं-

A.इरावती कर्वे

B.एम.एन. श्रीनिवास

C..जी.एस.घुरिये

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-B.एम.एन. श्रीनिवास

40.निम्नलिखित में से किसने भारत को "लघु गणराज्य" कहा?

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR
आरोह तमसो ज्योतिः

A. विलियम वाइजर

B.हेनरीमेन

C.चार्ल्स मेटकाफ

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर -C.चार्ल्स मेटकाफ

41.निम्नलिखित में कौन सी अवधारणा एम.एन. श्रीनिवास द्वारा दी गयी है?

A. संस्कृतिकरण

B. पश्चिमीकरण

C.प्रभु जाति

D. उपरोक्त सभी

उत्तर-D. उपरोक्त सभी

42."जजमानी प्रथा" किस समाज की विशेषता रही है ?

A. ग्रामीण समाज

B. नगरीय समाज

C.उपरोक्त दोनों

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर -A. ग्रामीण समाज

43. निम्नलिखित में से कौन सी प्रभु जाति की विशेषता नहीं है?

A.जनसंख्यात्मक शक्ति

B.जातीय संस्तरण में उच्च स्थिति

C.भूस्वामित्व

D.निम्न राजनीतिक प्रभाव

उत्तर-D.निम्न राजनीतिक प्रभाव

44.संयुक्त परिवार मुख्यतः पाए जाते हैं-

A. गांवों में

B. नगरों में

C. महानगरों में

D. उपरोक्त सभी में

उत्तर-A. गांवों में

45."Ancient Law" पुस्तक के लेखक है-

A. विलियम वाइजर

B.हेनरीमेन

C.सोरोकिन

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर-B.हेनरीमेन

46. पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा किस संशोधन द्वारा दिया गया?

A. 74वाॅ

B.73वाॅ

C.70वाॅ

D.75वाॅ

उत्तर-B.73वाँ

47. “सामुदायिक विकास योजना” प्रारंभ की गयी-

A.1955

B.1952

C.1965

D.1929

उत्तर-B.1952

48.. नगर की प्रमुख विशेषता क्या है?

A. प्राथमिक संबंध

B. द्वितीयक संबंध

C. संयुक्त परिवार

D. आत्मनिर्भरता

उत्तर-B. द्वितीयक संबंध

49.नगरीकरण का अर्थ है–

A. गाँवों का विस्तार

B. शहरों का विकास

C. जनसंख्या का ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों में स्थानांतरण

D. कृषि उत्पादन में वृद्धि

उत्तर-C.जनसंख्या का ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों में स्थानांतरण

50.भारतीय शहरों में सबसे अधिक रोजगार किस क्षेत्र में पाया जाता है?

A. प्राथमिक क्षेत्र

B. द्वितीयक क्षेत्र

C. तृतीयक क्षेत्र

D. कृषि क्षेत्र

उत्तर: C. तृतीयक क्षेत्र

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

Unit II

डॉ. रश्मि सिंह

भारतविधाशास्त्रीय उपागम- भारतविधाशास्त्रीय उपागम में भारतीय समाज को समझने के लिए उन ग्रंथों, उपनिषदों, पुराणों, महाकाव्यों, ऐतिहासिक और समसामयिक ग्रंथों की सहायता ली जाती है, जिनमें भारतीय समाज का चित्रण किया गया है। इस उपागम की आधारभूत मान्यताएँ निम्नलिखित हैं-

1. किसी भी समाज को समझने के लिए उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है।

2. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को धर्मग्रंथों,ऐतिहासिक और समसामयिक ग्रंथों, पुरातत्व संबंधित साक्ष्यों और फारसी और अरबी साहित्य आदि की सहायता से समझा जा सकता है।

3. यह परिप्रेक्ष्य पूर्णतः लिखित सामग्री पर आधारित होता है इसलिए इसमें क्षेत्र आधारित और अनुभविक अध्ययनों को नकारा जाता है।

4. भौतिक मूल्यों और आदर्शों को बनाए रखने के लिए परंपरागत भारतीय समाज में विद्यमान दर्शन और चिंतन का ज्ञान आवश्यक है और इस कार्य में भारतविधाशास्त्रीय उपागम का विशेष योगदान है।

ऐतिहासिक उपागम- ऐतिहासिक उपागम अध्ययन का वह तरीका है जो किसी समाज की संरचना को समझने के लिए अतीत की उन दशाओं के अध् ययन पर बल देता है जिसके संदर्भ में विभिन्न समूहों की सामाजिक परिस्थितियों भूमिकाओं और स्तरीकरण की प्रकृति का निर्धारण होता है। यह सामाजिक विकास के ऐतिहासिक क्रम के आधार पर सामाजिक तथ्यों के अध्ययन को अधिक उपयोगी मानता है। इसकी प्रमुख मान्यताएँ निम्नलिखित हैं-

1. इस का मानना है की एक विशेष अवधि की विशेषताओं के आधार पर ही किसी समाज की संरचना और संस्थाओं के वास्तविक रूप को समझा जा सकता है।

2. पश्चिमी लेखकों के सन्दर्भ में इस उपागम का संबंध औद्योगिक विकास की प्रक्रिया से उत्पन्न होने वाले सामाजिक परिणामों का अध्ययन करने से है।

3. ऐतिहासिक उपागम व्यक्तियों और समूहों के व्यवहारों को प्रभावित करने वाली शक्तियों को समाज की ऐतिहासिक दशा के संदर्भ में देखता है।

4. यह उपागम किसी सामाजिक तथ्य अथवा घटना के बाहरी रूप की अपेक्षा इसके विकास की ऐतिहासिक प्रक्रिया पर ध्यान देना अधिक आवश्यक मानता है।

संरचनात्मक- प्रकार्यात्मक उपागम- संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम का यह मानना है कि प्रत्येक सामाजिक सांस्कृतिक तथ्य संपूर्ण व्यवस्था के लिए कुछ निश्चित कार्य करता है और इसके प्रकार्यों पर ही

सामाजिक संरचना का अस्तित्व निर्भर करता है अर्थात सामाजिक व्यवस्था के लिए सामाजिक इकाई या अनिवार्य है। इसकी प्रमुख मान्यताएँ निम्नलिखित हैं-

1. समाज की प्रकार्यात्मक एकता का सिद्धांत- सामाजिक व्यवस्था में एक विशेष प्रकार की एकता देखने को मिलती है जिसे प्रकार्यात्मक एकता कहा जाता है। ब्राउन ने इसे प्रकार्यात्मक विश्लेषण की उपकल्पना के रूप में स्वीकार किया है।

2. सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता का सिद्धांत- यह सिद्धांत मानता है कि प्रत्येक सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिमान निश्चित रूप से सकारात्मक प्रकार्य अर्थात् उपयोगी कार्य करता है

3. अपरिहार्यता का सिद्धांत- मैलिनोवस्की का मानना है कि समाज में प्रचलित प्रत्येक सांस्कृतिक तत्व या इकाई समाज के लिए कोई न कोई महत्वपूर्ण कार्य अवश्य करती है,अर्थात वह समाज के जीवन के लिए अनिवार्य हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. भारतविधाशास्त्रीय उपागम का प्रमुख आधार क्या है?

A. सांख्यिकीय सर्वेक्षण

B. पाश्चात्य सिद्धांत

C. प्राचीन भारतीय ग्रंथ

D. औद्योगिक संरचना

उत्तर-C. प्राचीन भारतीय ग्रंथ

2. भारतीय समाज के अध्ययन में भारतविधाशास्त्रीय उपागम किस पर बल देता है?

A. आर्थिक कारकों पर

B. सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं पर

C. राजनीतिक संस्थाओं पर

D. शहरीकरण पर

उत्तर-B. सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं पर

3. निम्न में से कौन भारतविधाशास्त्रीय उपागम के प्रमुख विद्वान माने जाते हैं?

A. मैक्स वेबर

B. जी.एस. घुर्ये

C. आंद्रे बेते

D. कार्ल मार्क्स

उत्तर-B.जी.एस. घुर्ये

4. भारतविधाशास्त्रीय उपागम में समाज के अध्ययन का प्रमुख स्रोत क्या है?

A. जनगणना

B. क्षेत्रीय अध्ययन

C. धर्मग्रंथ एवं शास्त्र

D. प्रयोगशाला अध्ययन

उत्तर-C.धर्मग्रंथ एवं शास्त्र

5."Indian Sadhus"नामक पुस्तक के लेखक हैं-

A.रॉबर्ट रेडफील्ड

B. अगस्त कॉम्ट

C.जी. एस. घुर्ये

D.इरावती कर्वे

उत्तर-C. जी एस. घुरिए

6.जी.एस. घुरिए संबंधित हैं-

A.ऐतिहासिक उपागम से

B. भारतविधाशास्त्रीय उपागम से

C.संरचनात्मक- प्रकार्यात्मक उपागम से

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर-B. भारतविधाशास्त्रीय उपागम से

7. निम्न में से कौन-सा ग्रंथ भारतीय समाज के अध्ययन में महत्वपूर्ण माना जाता है?

A. दास कैपिटल

B. वेद

C. कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो

D. सोशल कॉन्ट्रैक्ट

उत्तर- B. वेद

8. भारतविधाशास्त्रीय उपागम की आलोचना का एक प्रमुख कारण क्या है?

A. अत्यधिक क्षेत्रीय अध्ययन

B. आधुनिक समाज की उपेक्षा

C. सांख्यिकीय विश्लेषण

D. तुलनात्मक दृष्टिकोण

उत्तर- B. आधुनिक समाज की उपेक्षा

9. भारतविधाशास्त्रीय उपागम समाज को किस रूप में देखता है?

A. परिवर्तनशील संरचना

B. संघर्षशील व्यवस्था

C. परंपरागत और निरंतर व्यवस्था

D. औद्योगिक तंत्र

उत्तर- C. परंपरागत और निरंतर व्यवस्था

10. भारतविधाशास्त्रीय उपागम मुख्यतः किस कालखंड पर केंद्रित है?

A. औपनिवेशिक काल

B. आधुनिक काल

C. प्राचीन और मध्यकालीन भारत

D. उत्तर-आधुनिक काल

उत्तर- C. प्राचीन और मध्यकालीन भारत

11. भारतविधाशास्त्रीय उपागम में धर्म को किस रूप में देखा जाता है?

A. निजी आस्था

B. सामाजिक संगठन का आधार

C. आर्थिक साधन

D. राजनीतिक हथियार

उत्तर- B. सामाजिक संगठन का आधार

12. भारतीय समाज के अध्ययन में 'संस्कृति' का अर्थ क्या है?

A. केवल कला

B. जीवन पद्धति

C. तकनीकी विकास

D. औद्योगिक उत्पादन

उत्तर- B. जीवन पद्धति

13. निम्नलिखित में से कौन भारतविधाशास्त्रीय उपागम का विचारक नहीं है

A.जी. एस. घुरिये

B.लुई ड्युमो

C.इरावती कर्वे

D. मैक्स वेबर

उत्तर-D. मैक्स वेबर

14. भारतविधाशास्त्रीय उपागम का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

A. सामाजिक परिवर्तन को मापना

B. भारतीय समाज की आत्मा को समझना

C. शहरी समस्याओं का अध्ययन

D. औद्योगिक विकास

उत्तर- B. भारतीय समाज की आत्मा को समझना

15. आश्रम व्यवस्था किससे संबंधित है?

A. आर्थिक जीवन

B. राजनीतिक व्यवस्था

C. सामाजिक-धार्मिक जीवन

D. औद्योगिक संरचना

उत्तर- C. सामाजिक-धार्मिक जीवन

16. भारतविधाशास्त्रीय उपागम में परिवार को किस रूप में देखा जाता है?

A. आर्थिक इकाई

B. सामाजिक संस्था

C. राजनीतिक संगठन

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

D. औद्योगिक समूह

उत्तर-B. सामाजिक संस्था

17. भारतीय समाज की निरंतरता को समझने में कौन-सा तत्व महत्वपूर्ण है?

A. तकनीक

B. परंपरा

C. औद्योगीकरण

D. वैश्वीकरण

उत्तर-B.परंपरा

18. भारतविधाशास्त्रीय उपागम मुख्यतः किस पद्धति का उपयोग करता है?

A. प्रयोगात्मक

B. तुलनात्मक

C. ग्रंथात्मक विश्लेषण

D. सांख्यिकीय

उत्तर- C. ग्रंथात्मक विश्लेषण

19. जाति व्यवस्था का अध्ययन भारतविधाशास्त्रीय उपागम में किस दृष्टि से किया जाता है?

A. वर्ग संघर्ष

B. आर्थिक असमानता

C. धार्मिक-सांस्कृतिक व्यवस्था

D. राजनीतिक प्रभुत्व

उत्तर- C. धार्मिक-सांस्कृतिक व्यवस्था

20. भारतविधाशास्त्रीय उपागम का एक प्रमुख योगदान क्या है?

A. आधुनिक समाज का विश्लेषण

B. भारतीय सामाजिक परंपराओं की व्याख्या

C. औद्योगिक समाज का अध्ययन

D. वैश्विक समाज की अवधारणा

उत्तर-B. भारतीय सामाजिक परंपराओं की व्याख्या

21.ऐतिहासिक उपागम में किसका अधिक महत्व होता है?

A.प्रयोग

B.सांख्यिकीय आंकड़े

C. ऐतिहासिक दस्तावेज

D. प्रश्नावली

उत्तर-C. ऐतिहासिक दस्तावेज

22.निम्न में से कौन ऐतिहासिक उपागम का स्रोत नहीं है?

A.शिलालेख

B. अभिलेख

C.जनगणना

D.ऐतिहासिक ग्रंथ

उत्तर-C.जनगणना

23.ऐतिहासिक उपागम में निम्न में से किस विधि का प्रयोग होता है?

A. साक्षात्कार

B.केस स्टडी

C.दस्तावेज़ी विश्लेषण

D.प्रयोग

उत्तर-C.दस्तावेज़ी विश्लेषण

24.ऐतिहासिक उपागम का प्रयोग किस प्रकार के समाज में अधिक उपयोगी है?

A. आधुनिक समाज

B.औद्योगिक समाज

C. पारंपरिक समाज

D. सभी समाजों में

उत्तर-D. सभी समाजों में

25.ऐतिहासिक उपागम में निम्न में से किस स्रोत का उपयोग नहीं किया जाता?

A.पांडुलिपियाँ

B. ऐतिहासिक अभिलेख

C.शिलालेख

D.प्रयोगशाला रिपोर्ट

उत्तर-D.प्रयोगशाला रिपोर्ट

26.निम्नलिखित में से कौन सा समाजशास्त्री ऐतिहासिक उपागम से संबंधित नहीं है-

A.कार्ल मार्क्स

B.अगस्त कोंट

C हर्बर्ट स्पेंसर

D.जी एस.घुरिये

उत्तर-D.जी.एस.घुरिये

27.भारतीय समाज के अध्ययन में ऐतिहासिक उपागम क्यों उपयोगी है?

A.आधुनिकता समझने हेतु

B.सांस्कृतिक निरंतरता और परिवर्तन समझने हेतु

C.जनसंख्या नियंत्रण हेतु

D.शहरी समस्याओं हेतु

उत्तर-B.सांस्कृतिक निरंतरता और परिवर्तन समझने हेतु

28.ऐतिहासिक उपागम सामाजिक तथ्यों को किस संदर्भ में देखता है?

A.व्यक्तिगत

B.मनोवैज्ञानिक

C.ऐतिहासिक

D.जैविक

उत्तर-C.ऐतिहासिक

29.निम्नलिखित में से कौन सा विद्वान ऐतिहासिक उपागम से संबंधित है

A. कार्ल मार्क्स

B. जी.एस.घुरिये

C.लुई ड्युमो

D.नाडेल

उत्तर-A.कार्ल मार्क्स

30.ऐतिहासिक उपागम किस प्रकार का अध्ययन है?

A. अल्पकालिक

B. सूक्ष्म

C. दीर्घकालिक

D.प्रयोगात्मक

उत्तर-C. दीर्घकालिक

31. भारतीय समाज के अध्ययन में ऐतिहासिक उपागम क्यों उपयोगी है?

A.आधुनिकता समझने हेतु

B.सांस्कृतिक निरंतरता और परिवर्तन समझने हेतु

C.जनसंख्या नियंत्रण हेतु

D.शहरी समस्याओं हेतु

उत्तर-B. सांस्कृतिक निरंतरता और परिवर्तन समझने हेतु

32.संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A.सामाजिक संघर्ष का अध्ययन

B.सामाजिक परिवर्तन को रोकना

C.सामाजिक संरचना और उसके कार्यों का अध्ययन

D.व्यक्ति के मनोविज्ञान का अध्ययन

उत्तर-C.सामाजिक संरचना और उसके कार्यों का अध्ययन

33.इमाइल दुर्खीम किस अवधारणा से जुड़े हैं?

A. वर्ग संघर्ष

B. सामाजिक तथ्य

C. नौकरशाही

D. सामाजिक क्रिया

उत्तर- B. सामाजिक तथ्य

34.रॉबर्ट के. मर्टन ने कौन-सी अवधारणा दी?

A. वर्ग चेतना

B. आदर्श प्रकार

C. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रकार्य

D. सामाजिक अनुबंध

उत्तर-C. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रकार्य

35.संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम किस पर अधिक बल देता है?

A. सामाजिक स्थायित्व

B. सामाजिक क्रांति

C. व्यक्तिगत स्वतंत्रता

D. राजनीतिक सत्ता

उत्तर-A. सामाजिक स्थायित्व

36.सामाजिक व्यवस्था के निरंतर बने रहने को क्या कहा जाता है?

A. सामाजिक परिवर्तन

B. सामाजिक गतिशीलता

C. सामाजिक संतुलन

D. सामाजिक विघटन

उत्तर-C. सामाजिक संतुलन

37.सामाजिक मानदंडों का मुख्य कार्य क्या है?

A. सामाजिक संघर्ष बढ़ाना

B. सामाजिक नियंत्रण स्थापित करना

C. आर्थिक असमानता बढ़ाना

D. राजनीति

उत्तर-B. सामाजिक नियंत्रण स्थापित करना

38.संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम किस समाजशास्त्रीय परंपरा से जुड़ा है?

A.संघर्षवादी

B.प्रतीकात्मक अंतःक्रियावादी

C.समन्वयवादी

D.नारीवादी

उत्तर-C.समन्वयवादी

39.सामाजिक संस्थाओं की पारस्परिक निर्भरता को क्या कहा जाता है?

A. सामाजिक परिवर्तन

B. सामाजिक एकता

C. संरचनात्मक अंतर्संबंध

D. सामाजिक गतिशीलता

उत्तर-C. संरचनात्मक अंतर्संबंध

40. संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम में संस्कृति की भूमिका क्या है?

A. संघर्ष उत्पन्न करना

B. सामाजिक मूल्यों को बनाए रखना

C. आर्थिक विकास रोकना

D. राजनीतिक सत्ता देना

उत्तर-B. सामाजिक मूल्यों को बनाए रखना

41. संरचनात्मक-कार्यात्मक उपागम के अनुसार समाज किस पर आधारित है?

A. शक्ति

B. सहमति

C. संघर्ष

D. शोषण

उत्तर-B. सहमति

42.सामाजिक नियंत्रण के प्रमुख साधन कौन-से हैं?

A. परंपराएँ और कानून

B. उद्योग और व्यापार

C. संघर्ष और हिंसा

D. क्रांति और विद्रोह

उत्तर-A. परंपराएँ और कानून

43.संरचनात्मक-कार्यात्मक उपागम में परिवर्तन को किस रूप में देखा जाता है?

A. आकस्मिक घटना

B. क्रांतिकारी प्रक्रिया

C. क्रमिक अनुकूलन

D. अव्यवस्था

उत्तर-C. क्रमिक अनुकूलन

44. AGIL पैराडाइम किसके द्वारा दिया गया?

A.मर्टन

B.पारसंस

C.दुर्खीम

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर-B.पारसंस

45. AGIL पैराडाइम में A से क्या तात्पर्य है?

A.अनुकूलन

B.एकीकरण

C. लक्ष्य

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर -A.अनुकूलन

46.निम्नलिखित में से कौन सी सामाजिक संस्था नहीं है-

A.परिवार

B. विद्यालय

C. गांव

D. धर्म

उत्तर-C. गांव

47.संरचनात्मक-प्रकार्यवादी दृष्टिकोण के अनुसार, विवाह जैसी सामाजिक संस्थाओं का प्राथमिक कार्य है:

A. पारंपरिक लिंग भूमिकाओं को चुनौती देना

B. सामाजिक असमानताओं को सुदृढ़ करना

C. भावनात्मक समर्थन और स्थिरता प्रदान करना

D. सांस्कृतिक मानदंडों और मूल्यों को कमजोर करना

उत्तर-C. भावनात्मक समर्थन और स्थिरता प्रदान करना

48.भारतीय समाज के संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य में नातेदारी प्रणालियों का क्या महत्व है?

A. वे व्यक्तिवाद पर जोर देती हैं

B. वे सामुदायिक संबंधों और दायित्वों को सुदृढ़ करती हैं

C. वे सामाजिक अलगाव का कारण बनती हैं

D. वे पुरानी अवधारणाएं हैं

उत्तर-B.वे सामुदायिक संबंधों और दायित्वों को सुदृढ़ करती हैं

49. निम्नलिखित में से कौन-सा विचारक प्रकार्यवाद से संबंधित नहीं है?

A. बी. मेलिनोवास्की

B. टालकाट पार्सन्स

C. रेडक्लिफ-ब्राउन

D. अल्फ्रेड शुत्ज़ (Alfred Schutz)

उत्तर-D. अल्फ्रेड शुत्ज़ (वे घटना विज्ञान या फिनोमिनोलॉजी से संबंधित हैं)

50.दुर्खीम के अनुसार, समाज में एकता बनाए रखने में कौन-सा तत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

A. आर्थिक असमानता

B. धर्म और नैतिक मूल्य

C. राजनीतिक शक्ति

D.व्यक्तिगत स्वतंत्रता

उत्तर-B. धर्म और नैतिक मूल्य

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

B.A.2nd सेमेस्टर **भारत में समाज: संरचना, संगठन और परिवर्तन (A070201T)**

Unit III

डॉ. रश्मि सिंह

सांस्कृतिक विविधता- भारत एक ऐसा देश है जिसमें विविधता के अनेक आयाम दिखाई देते हैं। यहाँ अनेक संस्कृति का सह अस्तित्व पाया जाता है। भारत में विभिन्न धर्मों, भाषा, प्रथाओं, रीती रिवाजों, खानपान, वेशभूषा, विचारों और विश्वासों, संस्कारों आदि के रूप में बहुलता पाई जाती है। विभिन्न संस्कृतियों का भारत में सह अस्तित्व ही सांस्कृतिक बहुलतावाद के नाम से जाना जाता है।

नृजातीय विविधिता- नृजातीयता को रंग और संस्कृति के आधार पर विश्लेषित किया जा सकता है। नृजातीय समूह किसी समाज की जनसंख्या का वह भाग है जो परिवार की पद्धति,भाषा, मनोरंजन, प्रथा, धर्म, संस्कृति आदि के आधार पर अपने को दूसरों से अलग समझता है। एक नृजातीय समूह की अपनी एक संस्कृति होती है।

भाषायी विविधता- भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। कुछ विद्वानों का मानना है कि हमारे यहाँ 1650 भाषाएं और बोलियाँ पाई जाती है। प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र या उप क्षेत्र की अपनी एक भाषा होती है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं की मान्यता प्रदान की गई है। भारतीय समाज में सामाजिक संरचना, शासक वर्ग और विशिष्ट परिस्थितियों में परिवर्तन के साथ- साथ भाषाओं में भी परिवर्तन हुए हैं विभिन्न संस्कृतियों के टकराव के कारण जहाँ एक ओर मिलीजुली संस्कृति का प्रादुर्भाव हुआ वहीं दूसरी ओर भाषाओं के शब्द भंडार में भी वृद्धि हुई हैवर्तमान समय में औद्योगीकरण नगरीकरण आदि के कारण लोगों में गतिशीलता बढ़ी है जिससे भाषाएं और समृद्धि हुई हैलोगों को दूसरी भाषा को सीखने का अवसर मिला है और उनमें मेलजोल बढ़ा है ।

जातीय विविधता- भारत के विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न कालों में जाति व्यवस्था का रूप एक दूसरे से इतना भिन्न रहा है कि केवल कुछ विशेषताओं के आधार पर ही इस संस्था को समझना बहुत कठिन है। भारत में जाति व्यवस्था एक खंडात्मक संरचना है जिसमें अनेक उपजातियां सम्मिलित हैं। प्रत्येक खंड की अपनी विशेषताएं, रीतिरिवाज और प्रथाएं हैं। इन विभिन्नताओ के बावजूद सभी जातियों में कई समानताएं भी हैं। विभिन्न जातियों के बीच पाई जाने वाली है पारस्परिक निर्भरता ने जातियों को एक सूत्र में पिरोए रखा। समय -समय पर अनेक आक्रमणकारी भारत आते रहे किंतु वे सभी भारतीय जाति व्यवस्था से घुलमिल गए और उसी के अंग बन गए ।

धार्मिक विश्वास और व्यवहारों में विविधता- भारतीय सामाजिक जीवन में धर्म का प्रमुख स्थान है। यहाँ धर्मों की विविधता और बहुलता पाई जाती है। मुख्य रूप से 6 धर्म हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन पाए जाते हैं। कुछ पारसी और जनजातीय धर्मों को मानने वाले भी लोग हैं। हिंदू धर्म भारत का प्राचीनतम धर्म है और भारत में सर्वाधिक जनसंख्या हिंदू धर्म के मानने वालों की है। सभी धर्मों के मानने वालों के

अपने अलग रीति रिवाज, त्यौहार, खान-पान और संस्कृतियां हैं, प्रत्येक धर्म की अपनी विशिष्ट प्रथाएं हैं। भारतीय समाज में धार्मिक सहिष्णुता और समन्वय के तत्व पाए जाते हैं इसलिए ये सभी धर्म एक साथ सद्भावना से रहते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. भारत में भाषायी विविधता का प्रमुख समाजशास्त्रीय आधार क्या है?

A. औद्योगीकरण

B. ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विकास

C. आर्थिक असमानता

D. राजनीतिक दल

उत्तर- B.. ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विकास

2. भाषायी विविधता समाज में किस प्रकार की पहचान निर्मित करती है?

A. जैविक पहचान

B. सांस्कृतिक पहचान

C. आर्थिक पहचान

D. वर्गीय पहचान

उत्तर-B. सांस्कृतिक पहचान

3.भारत में सांस्कृतिक विविधता के संदर्भ में, 'सांस्कृतिक रूप से अल्पसंख्यक' कौन नहीं है?

A.हिंदू समुदाय

B.सिख समुदाय

C.बौद्ध समुदाय

D.जैन समुदाय

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

उत्तर-A. हिंदू समुदाय

4.नृजातीय-केंद्रवाद (Ethnocentrism) का क्या अर्थ है?

A. सभी संस्कृतियों को समान समझना

B. अपनी संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ मानना और दूसरी संस्कृतियों को अपनी संस्कृति के मानकों से आंकना

C. सांस्कृतिक सापेक्षवाद को बढ़ावा देना

D. किसी भी संस्कृति को श्रेष्ठ न मानना

उत्तर-B.अपनी संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ मानना और दूसरी संस्कृतियों को अपनी संस्कृति के मानकों से आंकना

5.समाजशास्त्र में भाषा को किस रूप में देखा जाता है?

A. केवल संप्रेषण का माध्यम

B. प्राकृतिक तत्व

C. जैविक विशेषता

D. सामाजिक संरचना का घटक

उत्तर-D. सामाजिक संरचना का घटक

6.भारत में भाषायी राज्यों के गठन का प्रमुख कारण क्या था?

A. आर्थिक विकास

B. भाषायी पहचान की मान्यता

C. औद्योगिक विस्तार

D. प्रशासनिक सुविधा

उत्तर-B. भाषायी पहचान की मान्यता

7.नृजातीय-केंद्रवाद के कारण क्या हो सकता है?

A. सांस्कृतिक समझ

B. सांस्कृतिक आदान-प्रदान

C. पूर्वाग्रह और भेदभाव

D. सामाजिक सद्भाव

उत्तर- C.पूर्वाग्रह और भेदभाव

8.भारत को “विविधता में एकता” का देश कहा जाता है। यह भारतीय समाज की किस विशेषता को दर्शाता है?

A. सांस्कृतिक समरूपता

B. सांस्कृतिक बहुलवाद

C. सांस्कृतिक संघर्ष

D. सांस्कृतिक अलगाव

उत्तर-B. सांस्कृतिक बहुलवाद

9. सांस्कृतिक बहुलवाद के लिए आवश्यक अंतर्निहित मूल्य कौन-से हैं?

A. केवल प्रभुत्व और नियंत्रण

B. अस्वीकृति और भेदभाव

C. स्वीकृति, सहिष्णुता और आपसी सम्मान

D. संघर्ष और असमानता

उत्तर-C. स्वीकृति, सहिष्णुता और आपसी सम्मान

10.भारतीय संविधान की कौन सी अनुसूची देश की भाषाई विविधता को मान्यता देती है?

A. छठी अनुसूची

B. सातवीं अनुसूची

C.आठवीं अनुसूची

D.नौवीं अनुसूची

उत्तर-C.आठवीं अनुसूची

11.जब किसी भौगोलिक क्षेत्र में कई संस्कृतियाँ एक-दूसरे पर प्रभुत्व स्थापित किए बिना सह-अस्तित्व में रहती हैं, तो इसे किस रूप में जाना जाता है?

A.सांस्कृतिक साम्राज्यवाद

B. सांस्कृतिक बहुलवाद

C.सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

D.सांस्कृतिक क्षरण

उत्तर-B. सांस्कृतिक बहुलवाद

12.भाषायी विविधता का समाज पर सकारात्मक प्रभाव क्या है?

A. सामाजिक विभाजन

B. सांस्कृतिक समृद्धि

C. अस्थिरता

D. संघर्ष

उत्तर-B. सांस्कृतिक समृद्धि

13.समाज में भाषायी असहिष्णुता का परिणाम क्या हो सकता है?

A. सामाजिक समरसता

B. सामाजिक तनाव

C. सांस्कृतिक आदान-प्रदान

D. सहयोग

उत्तर-B. सामाजिक तनाव

14.निम्नलिखित में से कौन सा सांस्कृतिक बहुलवाद का उदाहरण है?

A. एक ऐसा देश जहाँ केवल एक ही भाषा बोली जाती है

B. एक ऐसा समाज जहाँ कई धार्मिक और जातीय समूह शांतिपूर्वक एक साथ रहते हैं।

C.सभी नागरिकों को जीवन जीने का एक ही तरीका अपनाने के लिए मजबूर करना।

D.एक राष्ट्र में अल्पसंख्यक संस्कृतियों को अस्वीकार करना।

उत्तर -B. एक ऐसा समाज जहाँ कई धार्मिक और जातीय समूह शांतिपूर्वक एक साथ रहते हैं।

15.. भाषायी विविधता और 'एकता में अनेकता' का संबंध क्या है?

A. विरोधात्मक

B. पूरक

C. असंबंधित

D. अस्थिर

उत्तर-B. पूरक

16.जाति व्यवस्था में अंतर्विवाह (Endogamy) का क्या अर्थ है?

A. अन्य जाति में विवाह

B. अपनी जाति में विवाह

C. अंतरधार्मिक विवाह

D. विधवा विवाह

उत्तर-B. अपनी जाति में विवाह

17.जाति व्यवस्था में व्यवसाय किस प्रकार निर्धारित होता था?

A. योग्यता के आधार पर

B. जन्म के आधार पर

C. शिक्षा के आधार पर

D. इच्छा के आधार पर

उत्तर- B.जन्म के आधार पर

18.आधुनिक भारत में जातिगत भिन्नता में परिवर्तन का प्रमुख कारण क्या है?

A. शिक्षा और औद्योगीकरण

B. कर्म सिद्धांत

C. धार्मिक अनुष्ठान

D. जन्म आधारित नियम

उत्तर-A.शिक्षा और औद्योगीकरण

19. 'नृजातीय समूह' से क्या तात्पर्य है?

A. जैविक समानता वाला समूह

B. समान भाषा, संस्कृति व परंपराएँ साझा करने वाला समूह

C. समान आर्थिक वर्ग

D. राजनीतिक दल

उत्तर-B. समान भाषा, संस्कृति व परंपराएँ साझा करने वाला समूह

20.भारत में नृजातीय भिन्नता का प्रमुख आधार क्या है?

A. केवल नस्ल

B. आर्थिक स्थिति

C. सांस्कृतिक विशेषताएँ

D. राजनीतिक विचार

उत्तर-C.सांस्कृतिक विशेषताएँ

21. नृजातीय पहचान मुख्यतः किस पर आधारित होती है?

A. जन्म और साझा संस्कृति

B. आय और शिक्षा

C. निवास स्थान

D. व्यवसाय

उत्तर-A. जन्म और साझा संस्कृति

22.नृजातीय भिन्नता कब सामाजिक समस्या बन जाती है?

A. जब विविधता को स्वीकार किया जाए

B. जब समावेशन हो

C. जब भेदभाव और बहिष्करण हो

D. जब सह-अस्तित्व हो

उत्तर- C. जब भेदभाव और बहिष्करण हो

23.समाजशास्त्रीय दृष्टि से भारत में नृजातीय भिन्नता को किस रूप में देखा जाता है?

A. बाधा के रूप में

B. सामाजिक समस्या के रूप में

C. सामाजिक वास्तविकता और संसाधन के रूप में

D. अस्थायी प्रवृत्ति के रूप में

उत्तर-C. सामाजिक वास्तविकता और संसाधन के रूप में

24.'अनेकता में एकता' (Unity in Diversity) शब्द का प्रयोग सबसे पहले किसने किया था?

A. महात्मा गांधी

B. डॉ. बी.आर. अंबेडकर

C.जवाहरलाल नेहरू

D. सरदार वल्लभभाई पटेल

उत्तर -C.जवाहरलाल नेहरू

25.भारत के संदर्भ में 'धर्मनिरपेक्षता' (Secularism) का क्या अर्थ है?

A.राज्य का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है और सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता है

B.राज्य किसी एक धर्म को बढ़ावा देता है

C.धर्म और राज्य पूरी तरह अलग हैं और कोई संवाद नहीं होता

D.सभी धर्मों को प्रतिबंधित कर दिया गया है

उत्तर -A.राज्य का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है और सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता है

26.भारत में धार्मिक विविधता का समाज पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ता है?

A. यह सांप्रदायिक तनाव बढ़ाता है

B. यह सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक सहिष्णुता को बढ़ावा देता है

C. यह लोगों को अलग-अलग रहने के लिए प्रेरित करता है

D. यह एक आधिकारिक धर्म को बढ़ावा देता है

उत्तर-B. यह सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक सहिष्णुता को बढ़ावा देता है

27.भारतीय संविधान के कौन से अनुच्छेद सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करते हैं?

A. अनुच्छेद 14-18

B. अनुच्छेद 25-28

C. अनुच्छेद 32-35

D. अनुच्छेद 19-22

उत्तर -B. अनुच्छेद 25-28

28."जाति एक बंद वर्ग है" किसने कहा था?

A. मजूमदार

B. मैकाइवर और पेज

C.राधा कमल मुखर्जी

D. जी एस घुरिये

उत्तर-A. मजूमदार

29.इरावती कर्वे ने भारतीय समाज को कितने भाषाई भागों में बांटकर अध्ययन किया ?

A.2

B.5

C.4

D.7

उत्तर- C.4

30. “Kinship Organization in India” पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई ?

A.इरावती कर्वे

B. डी.पी.मुखर्जी

C.सोरोकिन

D.मैकाइवर और पेज

उत्तर -A.इरावती कर्वे

31.भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाओं को मान्यता दी गई है?

A.25

B.22

C.11

D.23

उत्तर-B.22

32.जाति व्यवस्था एक प्रकार है-

A.सामाजिक स्तरीकरण का

B.सामाजिक एकता का

C.सामाजिक सुदृढ़ता का

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर-A.सामाजिक स्तरीकरण का

डॉ. रश्मि सिंह

33.निम्नलिखित में से कौन से तत्व राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक है?

A. नक्सलवाद

B. सांप्रदायवाद

C. जातिवाद

D. उपरोक्त सभी

उत्तर -D. उपरोक्त सभी

34."कास्ट एंड रेस इन इंडिया" नामक पुस्तक के लेखक हैं-

A. जी.एस.घुरिए

B. एम.एन.श्रीनिवास

C. योगेन्द्र सिंह

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर- A.जी.एस घुरिये

35.जी.एस घुरिये ने जाति की कितनी विशेषताएं बताई?

A.3

B.6

C.8

D.4

उत्तर-B.6

36.भारत की राष्ट्रभाषा कौन सी है

A.अंग्रेजी

B.मैथिली

C.हिंदी

D.पंजाबी

उत्तर- C.हिंदी

37. समाजशास्त्र में धार्मिक भिन्नता से क्या तात्पर्य है?

A. केवल ईश्वर में विश्वास

B. विभिन्न धर्मों का सह-अस्तित्व

C. धार्मिक ग्रंथों की संख्या

D. पूजा-पद्धतियों की समानता

उत्तर-B. विभिन्न धर्मों का सह-अस्तित्व

38.समाजशास्त्र में धर्म को किस रूप में देखा जाता है?

A. केवल आध्यात्मिक विश्वास

B. सामाजिक संस्था

C. प्राकृतिक शक्ति

D. जैविक प्रवृत्ति

उत्तर-B. सामाजिक संस्था

39.भारत में धार्मिक सहिष्णुता का आधार क्या है?

A. औद्योगीकरण

B. लोकतांत्रिक मूल्य

C. शहरीकरण

D. वैश्वीकरण

उत्तर-B. लोकतांत्रिक मूल्य

40.धार्मिक संस्थाएँ समाज में किस प्रकार का कार्य करती हैं?

A. केवल पूजा

B. सामाजिक नियंत्रण

C. केवल आर्थिक सहायता

D. केवल राजनीतिक कार्य

उत्तर-B. सामाजिक नियंत्रण

41. “Primitive Culture” नामक पुस्तक के लेखक हैं-

A.दुर्खीम

B.जॉनसन

C.टायलर

D.इनमें से कोई नहीं

उत्तर-C.टायलर

42. “जब कोई वर्ग पूर्णतः वंशानुक्रमण पर आधारित होता है तो हम उसे जाति कहते हैं” कथन किसका हैं-

A. मजुमदार

B. कूले

C. केतकर

D. डेविस

उत्तर-B.कूले

43.”The Elementary Forms of Religious Life” पुस्तक के लेखक हैं-

A. जी.एस.घुरिये

B. दुर्खीम

C. ऑस्कर लेविस

D. मजुमदार

उत्तर-B.दुर्खीम

44. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ क्या है?

A. धर्म का विरोध

B. सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान

C. एक धर्म को मान्यता

D. धर्म को निजी मामला न मानना

उत्तर-B. सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान

45.धार्मिक विश्वास समाज में मुख्यतः किसे प्रभावित करते हैं?

A. आर्थिक उत्पादन

B. नैतिक मूल्य और सामाजिक आचरण

C. भौगोलिक सीमाएँ

D. जैविक संरचना

उत्तर-B. नैतिक मूल्य और सामाजिक आचरण

46.धार्मिक प्रतीक समाज में किसके माध्यम होते हैं?

A. राजनीतिक सत्ता

B. सांस्कृतिक अभिव्यक्ति

C. आर्थिक नियंत्रण

D. सामाजिक संघर्ष

उत्तर-B. सांस्कृतिक अभिव्यक्ति

47.धार्मिक विविधता 'एकता में अनेकता' को कैसे दर्शाती है?

A. संघर्ष उत्पन्न करके

B.विभाजन करके

C. सह-अस्तित्व द्वारा

D. विरोध करके

उत्तर-C. सह-अस्तित्व द्वारा

48. भारत में अनेकता में एकता का सबसे प्रमुख आधार क्या है?

A) भाषा

B) धर्म

C) संस्कृति

D) राष्ट्रीय चेतना

उत्तर-D.राष्ट्रीय चेतना

49.निम्न में से कौन-सा तत्व भारत की सामाजिक विविधता को दर्शाता है?

A) संविधान

B) धर्म और भाषा

C) राष्ट्रीय ध्वज

D) न्यायपालिका

उत्तर-B) धर्म और भाषा

50. भारतीय संविधान किस प्रकार की एकता को प्रोत्साहित करता है?

A) राजनीतिक

B) सामाजिक

C) सांस्कृतिक

D) सभी प्रकार की

उत्तर-D) सभी प्रकार की

Unit IV

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

डॉ. रश्मि सिंह

जनजाति का अर्थ और परिभाषा- जनजाति ऐसे मानव समूह को कहते हैं जो समान रक्त-संबंध, भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा होता है तथा सामान्यतः वन, पहाड़ी या दुर्गम क्षेत्रों में निवास करता है।

रैडक्लिफ-ब्राउन (A.R. Radcliffe-Brown) के अनुसार "जनजाति ऐसे लोगों का समूह है जो आपसी सामाजिक संबंधों और सामान्य सांस्कृतिक नियमों से बंधा होता है।"

भारत में जनजातीय समुदाय और उनका भौगोलिक वितरण- भारत में जनजातीय समुदाय देश की प्राचीन जनसंख्या का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका जीवन प्रकृति, वन और परंपरागत संस्कृति से जुड़ा हुआ है।

भौगोलिक रूप से जनजातियाँ मध्य भारत (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा) में सबसे अधिक पाई जाती हैं, जहाँ गोंड, संथाल, भील और मुंडा प्रमुख हैं। उत्तर-पूर्वी भारत में नागा, मिजो, खासी और गारो जनजातियाँ निवास करती हैं। पश्चिम भारत में भील और गरासिया तथा दक्षिण भारत में टोडा, इरुला और कुरुम्बा जैसी जनजातियाँ पाई जाती हैं।

इन जनजातियों का वितरण प्राकृतिक संसाधनों, ऐतिहासिक पृथक्करण और सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित रहा है, जिससे उनकी विशिष्ट पहचान और जीवन-शैली बनी रही है।

जनजातियों में पिछड़ापन की समस्या- जनजातियों का पिछड़ापन मुख्यतः अशिक्षा, आर्थिक संसाधनों की कमी और भौगोलिक अलगाव के कारण है। परंपरागत आजीविका साधनों पर निर्भरता और आधुनिक अवसरों की सीमित उपलब्धता ने इस स्थिति को और गंभीर बनाया है। सरकारी योजनाओं के बावजूद सामाजिक-आर्थिक विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाया है।

जनजातियों में आत्मसातीकरण की समस्या -आत्मसातीकरण की प्रक्रिया में जनजातियाँ मुख्यधारा समाज की संस्कृति अपनाने के लिए बाध्य होती हैं। इससे उनकी मूल भाषा, परंपराएँ और सांस्कृतिक पहचान के लुप्त होने का खतरा बढ़ता है। असंतुलित आत्मसातीकरण सांस्कृतिक शोषण और अस्मिता संकट को जन्म देता है।

जनजातियों में एकीकरण और दृढ़ीकरण- जनजातीय एकीकरण का तात्पर्य ऐसी दशा से है जिसमें जनजातियां समाज की मुख्य धारा के अंतर्गत अपना विकास इस प्रकार से करने का प्रयास करने लगती हैं जो उनकी संस्कृति और आत्मसम्मान के अनुकूल हो। भारत में जैसे जैसे शिक्षा के प्रसार और लोकतांत्रिक शक्तियां के प्रभाव से जनजातियों में जागरूकता बढ़ी है उन्होंने अपने सांस्कृतिक प्रतिमान के अंदर रहते हुए अपने आप को इस तरह संगठित करना आरंभ कर दिया जिससे दूसरे समुदाय के सामान उनकी एक पृथक पहचान बनी रहे ।शोषण के विरुद्ध आंदोलन अपने समुचित अधिकारों के लिये शक्ति प्रदर्शन तथा क्षेत्रीय स्वायत्तता की मांग जनजातियों में दृढ़ीकरण की प्रवृत्तियों को स्पष्ट करती हैं।

जनजातियों के कल्याण के लिए संवैधानिक प्रावधान

शैक्षिक और सांस्कृतिक सुरक्षा :

अनुच्छेद 15(4): अन्य पिछड़े वर्गों की उन्नति के लिये विशेष प्रावधान (इसमें अनुसूचित जनजाति शामिल हैं)

अनुच्छेद 29: अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण (इसमें अनुसूचित जनजाति शामिल हैं)

अनुच्छेद 46: राज्य लोगों के कमजोर वर्गों और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को विशेष देखभाल के साथ बढ़ावा देगा और सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के सामाजिक अन्याय से उनकी रक्षा करेगा। शोषण।

अनुच्छेद 350: विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति के संरक्षण का अधिकार,

राजनीतिक सुरक्षा :

अनुच्छेद 330 : लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिये सीटों का आरक्षण

अनुच्छेद 332: राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जनजातियों के लिये सीटों का आरक्षण

अनुच्छेद 243: पंचायतों में सीटों का आरक्षण

प्रशासनिक सुरक्षा:

अनुच्छेद 275: यह अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष निधि प्रदान करने का प्रावधान करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. भारत में जनजातियों का सर्वाधिक प्रतिशत किस राज्य में पाया जाता है?

A. झारखंड

B. छतीसगढ़

C. मध्य प्रदेश

D. मिजोरम

उत्तर- D. मिजोरम

2. जनजातियों को संविधान में किस अनुच्छेद के अंतर्गत परिभाषित किया गया है?

A. अनुच्छेद 14

B. अनुच्छेद 15

C. अनुच्छेद 366(25)

D. अनुच्छेद 370

उत्तर- C. अनुच्छेद 366(25)

3. भारत की सबसे बड़ी जनजाति कौन-सी है?

A. भील

B. संथाल

C. गोंड

D. मीणा

उत्तर-A.भील

4. संथाल जनजाति मुख्यतः किस राज्य में पाई जाती है?

A. ओडिशा

B. झारखंड

C. असम

D. महाराष्ट्र

उत्तर- B. झारखंड

5. भील जनजाति मुख्यतः किस क्षेत्र में निवास करती है?

A. उत्तर-पूर्व भारत

B. दक्षिण भारत

C. मध्य एवं पश्चिम भारत

D. हिमालय क्षेत्र

उत्तर- C. मध्य एवं पश्चिम भारत

6. जनजातीय समाज की प्रमुख विशेषता क्या है?

A. जाति व्यवस्था

B. वर्ग व्यवस्था

C. सामुदायिक जीवन

D. नगरीकरण

उत्तर- C.सामुदायिक जीवन

7. 'टोटेमवाद' किससे संबंधित है?

A. विवाह प्रणाली

B. धार्मिक विश्वास

C. आर्थिक संगठन

D. राजनीतिक संगठन

उत्तर- B.धार्मिक विश्वास

8. गोंड जनजाति का प्रमुख निवास क्षेत्र कौन-सा है?

A. हिमाचल प्रदेश

B. मध्य प्रदेश

C. पंजाब

D. केरल

उत्तर- B. मध्य प्रदेश

9. जनजातीय समाज में विवाह का प्रमुख रूप क्या है?

A. अरेंज्ड विवाह

B. प्रेम विवाह

C. बहुविवाह

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

10. 'डोंगरिया कोंध' जनजाति किस राज्य में पाई जाती है?

A. ओडिशा

B. छत्तीसगढ़

C. झारखंड

D. बिहार

उत्तर- A.ओडिशा

11. भारत में जनजातीय जनसंख्या का अनुमानित प्रतिशत कितना है?

A. 5%

B. 8.6%

C. 12%

D. 15%

उत्तर- B. 8.6%

12. जनजातियों का प्रमुख आर्थिक आधार क्या है?

A. उद्योग

B. व्यापार

C. कृषि एवं वनोपज

D. सेवा क्षेत्र

उत्तर- C. कृषि एवं वनोपज

13. 'नागा' जनजातियाँ मुख्यतः कहाँ पाई जाती हैं?

A. मणिपुर और नागालैंड

B. ओडिशा

C. राजस्थान

D. गुजरात

उत्तर- A. मणिपुर और नागालैंड

14. जनजातीय समाज में भूमि का स्वामित्व सामान्यतः कैसा होता है?

A. व्यक्तिगत

B. सामुदायिक

C. राज्य का

D. निजी कंपनियों का

उत्तर- B. सामुदायिक

15. भारत की पहली जनजातीय महिला राष्ट्रपति कौन बनीं?

A. मीरा कुमार

B. द्रौपदी मुर्मू

C. सुषमा स्वराज

D. प्रतिभा पाटिल

उत्तर- B. द्रौपदी मुर्मू

16. 'खासी' जनजाति की विशेषता क्या है?

A. पितृसत्तात्मक व्यवस्था

B. मातृसत्तात्मक व्यवस्था

C. जाति प्रथा

D. वर्ण व्यवस्था

उत्तर-B. मातृसत्तात्मक व्यवस्था

17. जनजातीय विकास हेतु 'वन अधिकार अधिनियम' किस वर्ष लागू हुआ?

A. 1996

B. 2001

C. 2006

D. 2010

उत्तर-C. 2006

18. जनजातीय पंचायत को क्या कहा जाता है?

A. ग्राम सभा

B. परिषद

C. जन परिषद

D. परिषद सभा

उत्तर- A. ग्राम सभा

19. 'टोडा' जनजाति कहाँ पाई जाती है?

A. राजस्थान

B. तमिलनाडु

C. ओडिशा

D. असम

उत्तर- B. तमिलनाडु

20. जनजातीय समाज में सामाजिक नियंत्रण का प्रमुख साधन क्या है?

A. पुलिस

B. न्यायालय

C. परंपरा एवं रीति-रिवाज

D. कानून

उत्तर- C. परंपरा एवं रीति-रिवाज

21.. जनजातियों की सबसे प्रमुख सामाजिक समस्या कौन-सी है?

A. औद्योगीकरण

B. भूमि से विस्थापन

C. नगरीकरण

D. वैश्वीकरण

उत्तर- B. भूमि से विस्थापन

22. जनजातियों में शिक्षा के निम्न स्तर का प्रमुख कारण क्या है?

A. भाषा समस्या

B. गरीबी

C. दूरस्थ निवास क्षेत्र

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

23. जनजातीय समाज में स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण क्या है?

A) प्रदूषण

B) कुपोषण

C) आधुनिक जीवन

D) मानसिक तनाव

उत्तर: B) कुपोषण

24. जनजातीय क्षेत्रों में साहूकारों द्वारा शोषण को क्या कहा जाता है?

A. सामाजिक शोषण

B. आर्थिक शोषण

C. सांस्कृतिक शोषण

D. राजनीतिक शोषण

उत्तर- B. आर्थिक शोषण

25. 'संस्कृतिकरण' की अवधारणा किस समाजशास्त्री ने दी?

A. एल. पी. विद्यार्थी

B. एस. सी. दुबे

C. एम. एन. श्रीनिवास

D. घुर्ये

उत्तर- C. एम. एन. श्रीनिवास

26. घुर्ये के अनुसार जनजातियाँ क्या हैं?

A. पृथक समाज

B. पिछड़ी जातियाँ

C. पिछड़े हिंदू

D. विदेशी समाज

उत्तर- C. पिछड़े हिंदू

27. जनजातियों में बेरोजगारी का प्रमुख कारण क्या है?

A. शिक्षा का अभाव

B. भूमि ह्रास

C. कौशल की कमी

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर-D. उपर्युक्त सभी

28. एल. पी. विद्यार्थी ने जनजातियों के अध्ययन में किस अवधारणा पर बल दिया?

A. आत्मसातकरण

B. पृथक्करण

C. सांस्कृतिक संपर्क

D. आधुनिकीकरण

उत्तर-C. सांस्कृतिक संपर्क

29. जनजातीय समाज में नशाखोरी की समस्या मुख्यतः किससे जुड़ी है?

A. औद्योगीकरण

B. परंपरागत मद्यपान

C. नगरीकरण

D. पर्यटन

उत्तर- B. परंपरागत मद्यपान

30. 'जनजातीय विकास' का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A सांस्कृतिक विनाश

B. पूर्ण नगरीकरण

C. जीवन स्तर में सुधार

D.धार्मिक परिवर्तन

उत्तर- C. जीवन स्तर में सुधार

31. एस. सी. दुबे ने किस क्षेत्र में जनजातीय अध्ययन किया?

A. राजस्थान

B. छत्तीसगढ़

C. मध्य प्रदेश

D. ओडिशा

उत्तर- C. मध्य प्रदेश

32. जनजातियों के विस्थापन का मुख्य कारण क्या है?

A. शिक्षा संस्थान

B. औद्योगिक परियोजनाएँ

C. कृषि विस्तार

D. पर्यटन

उत्तर- B. औद्योगिक परियोजनाएँ

33. 'एकीकरणवादी दृष्टिकोण' का समर्थन किसने किया?

A). वेरियर एल्विन

B. घुर्ये

C. मजूमदार

D. रेडक्लिफ ब्राउन

उत्तर- B. घुर्ये

34. वेरियर एल्विन किस नीति के समर्थक थे?

A. आत्मसात नीति

B. पृथक्करण नीति

C. एकीकरण नीति

D. औद्योगीकरण नीति

उत्तर- B. पृथक्करण नीति

35. जनजातीय क्षेत्रों में ऋणग्रस्तता का मुख्य कारण क्या है?

A. शिक्षा

B. कम आय

C. साहूकारी व्यवस्था

D. सरकारी योजनाएँ

उत्तर- C. साहूकारी व्यवस्था

36. 'आदिवासी पंचशील' की अवधारणा किससे संबंधित है?

A. जवाहरलाल नेहरू

B. महात्मा गांधी

C. भीमराव अंबेडकर

D. राजेंद्र प्रसाद

उत्तर- A. जवाहरलाल नेहरू

37. जनजातीय समाज में सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख कारक क्या है?

A. परंपरा

B. शिक्षा

C. जाति व्यवस्था

D. टोटेमवाद

उत्तर- B. शिक्षा

38.मजूमदार ने जनजातीय अध्ययन में किस पद्धति पर बल दिया?

A. ऐतिहासिक

B. तुलनात्मक

C. क्षेत्रीय अध्ययन

D. सांख्यिकीय

उत्तर- C. क्षेत्रीय अध्ययन

39. जनजातीय समाज में सांस्कृतिक विघटन का प्रमुख कारण क्या है?

A. शिक्षा

B. मिशनरी गतिविधियाँ

C. नगरीकरण

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

40. जनजातीय पहचान संकट का मुख्य कारण क्या है?

A. वैश्वीकरण

B. सांस्कृतिक संपर्क

C. आधुनिकीकरण

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर-D उपर्युक्त सभी

41. 'जनजातीय आत्मनिर्भरता' का संबंध किससे है?

A. औद्योगीकरण

B. स्थानीय संसाधनों के उपयोग से

C. विदेशी सहायता से

D. नगरीकरण से

उत्तर-B. स्थानीय संसाधनों के उपयोग से

42. जनजातीय समाज में राजनीतिक जागरूकता बढ़ने का कारण क्या है?

A. शिक्षा

B. आरक्षण नीति

C. लोकतांत्रिक संस्थाएँ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

43.भारत के किस राज्य में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या सबसे अधिक है?

A. मध्य प्रदेश

B. ओडिशा

C. राजस्थान

D. महाराष्ट्र

उत्तर- A. मध्य प्रदेश

44.निम्नलिखित में से कौन सी जनजाति अपनी पारंपरिक झूम खेती के अभ्यास के लिए जानी जाती है?

A.संथाल

B. भील

C. जाट

D. मुंडा

उत्तर-A. संथाल

45.जारवा जनजाति मुख्य रूप से किस भारतीय क्षेत्र में पाई जाती है?

A. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

B. लक्षद्वीप

C. दमन और दीव

D. दादरा और नगर हवेली

उत्तर-A. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

46. बिरहोर जनजाति मुख्य रूप से किस राज्य में पाई जाती है?

A. झारखंड

B. मध्य प्रदेश

C. उत्तर प्रदेश

D. राजस्थान

उत्तर-A. झारखंड

47."खासी हिल्स" भारत के किस राज्य में स्थित हैं?

A. मेघालय

B. मिजोरम

C. मणिपुर

D. त्रिपुरा

उत्तर-A. मेघालय

48. कौन सा आदिवासी समुदाय बांस और बेंत शिल्प में अपने कौशल के लिए जाना जाता है?

A. कार्बी

B.गोंड

C. भील

D. खासी

उत्तर- D. खासी

49. 'समावेशी विकास' का अर्थ क्या है?

A. केवल शहरी विकास

B. केवल ग्रामीण विकास

C. सभी वर्गों का विकास

D. औद्योगिक विकास

उत्तर- C.सभी वर्गों का विकास

50. जनजातीय समस्याओं के समाधान के लिए सबसे आवश्यक क्या है?

A. बल प्रयोग

B. योजनाओं की संख्या

C. सांस्कृतिक संवेदनशीलता

D. नगरीकरण

उत्तर- C. सांस्कृतिक संवेदनशीलता

Unit V

डॉ. रश्मि सिंह

भारतीय समाज की आधारभूत संस्थाएँ :

जाति- भारतीय समाज में जाति एक जन्म पर आधारित सामाजिक संस्था है, जिसमें व्यक्ति का सामाजिक दर्जा जन्म से ही निर्धारित हो जाता है। जाति व्यक्ति के व्यवसाय, सामाजिक संबंधों और जीवन-शैली को प्रभावित करती है। यह व्यवस्था परंपरागत रूप से हिंदू समाज की सामाजिक संरचना का आधार रही है। **मजुमदार** ने जाति को परिभाषित करते हुए कहा कि "यह एक बंद वर्ग है"।

जाति की प्रमुख विशेषताएँ-

1.जन्म पर आधारित सदस्यता- जाति में सदस्यता जन्म से मिलती है और इसे बदला नहीं जा सकता।

2.विवाह संबंधी प्रतिबंध- प्रायः जाति के भीतर विवाह (अंतर्विवाह) को मान्यता दी जाती है।

3.व्यवसाय का निर्धारण- परंपरागत रूप से प्रत्येक जाति का एक निश्चित पेशा निर्धारित रहा है।

4.सामाजिक स्तरीकरण- जाति समाज को ऊँच-नीच के क्रम में विभाजित करती है।

5.भोजन और सामाजिक संपर्क के नियम- जातियों के बीच खान-पान और मेल-जोल पर प्रतिबंध पाए जाते हैं।

6.सामाजिक नियंत्रण- जाति पंचायतें और परंपराएँ व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करती हैं।

7.धार्मिक आधार- जाति व्यवस्था को धार्मिक मान्यताओं और कर्म-सिद्धांत से जोड़ा गया है।

विवाह- विवाह एक सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था है जिसके माध्यम से स्त्री और पुरुष के बीच वैध संबंध स्थापित होता है। यह संस्था परिवार की स्थापना, यौन संबंधों के नियमन और वंश-परंपरा की निरंतरता सुनिश्चित करती है।

हिंदू विवाह के स्वरूप-

1.ब्राह्म विवाह

2.दैव विवाह

3.आर्ष विवाह

4.प्राजापत्य विवाह

5.गांधर्व विवाह

6.आसुर विवाह

7.राक्षस विवाह

8.पैशाच विवाह

धर्म- सामान्यतः धर्म का अर्थ अदृश्य और अति मानवीय शक्तियों पर विश्वास से लिया जाता है टायलर के अनुसार “धर्म आध्यात्मिक शक्तियां पर विश्वास है”।

धर्म का महत्त्व- 1.धर्म सामाजिक नियंत्रण में सहायक है।

2.सामाजिक एकता में सहायक है।

3.व्यक्तित्व के विकास में सहायक है।

4.भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है।

5. धर्म सामाजिक संगठन का आधार है।

वर्ग - वर्ग समाज का वह समूह है जिसकी पहचान मुख्यतः आर्थिक स्थिति, आय, पेशा, शिक्षा और जीवन-शैली के आधार पर होती है।

वर्ग की प्रमुख विशेषताए- 1.वर्गों का निर्धारण आय, संपत्ति और आर्थिक संसाधनों के आधार पर होता है।

2.वर्ग में सामाजिक स्थिति जन्मजात नहीं बल्कि अर्जित होती है।

3.व्यक्ति शिक्षा, रोजगार और प्रयास से वर्ग बदल सकता है।

4.वर्ग व्यवस्था में सामाजिक मेल-जोल और विवाह पर कठोर प्रतिबंध नहीं होते।

5.एक ही वर्ग के लोगों की जीवन-शैली, उपभोग और मूल्य अपेक्षाकृत समान होते हैं।

6.वर्ग स्थायी नहीं होते; समय और परिस्थितियों के साथ बदलते रहते हैं।

7.वर्ग व्यवस्था आधुनिक औद्योगिक और नगरीय समाज की प्रमुख विशेषता है।

संयुक्त परिवार- संयुक्त परिवार वह परिवार प्रणाली है जिसमें दो या दो से अधिक पीढ़ियों के सदस्य (दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-ताऊ, भाई-बहन) एक साथ रहते हैं। इस परिवार में संपत्ति, रसोई और जिम्मेदारियाँ सामूहिक होती हैं।

संयुक्त परिवार की विशेषताएँ-

1.सामूहिक निवास

2.सामूहिक संपत्ति

3.एक रसोई व्यवस्था

4.पितृसत्तात्मक व्यवस्था

5.पारिवारिक सहयोग

6.सामाजिक सुरक्षा

7.परंपराओं का संरक्षण

8.सामूहिक उत्तरदायित्व

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. जाति व्यवस्था का मूल आधार किस पर टिका है?

A. आर्थिक स्थिति

B. जन्म

C. शिक्षा

D. व्यवसाय

उत्तर- B. जन्म

2. वर्ण व्यवस्था में कुल कितने वर्ण माने गए हैं?

A. दो

B. तीन

C. चार

D. पाँच

उत्तर- C. चार

3. निम्न में से कौन-सा वर्ण बौद्धिक कार्यों से संबंधित था?

A. क्षत्रिय

B. ब्राह्मण

C. वैश्य

D. शूद्र

उत्तर- B. ब्राह्मण

4. जाति व्यवस्था में अंतर्जातीय विवाह को क्या कहा जाता है?

A. बहिर्विवाह

B. सजातीय विवाह

C. अंतर्विवाह

D. बहुपत्नी विवाह

उत्तर- C. अंतर्विवाह

5. 'जजमानी प्रथा' का संबंध किससे है?

A. राजनीतिक व्यवस्था

B. धार्मिक कर्मकांड

C. ग्रामीण आर्थिक संबंध

D. शहरी जीवन

उत्तर-C. ग्रामीण आर्थिक संबंध

6. अस्पृश्यता का उन्मूलन भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है?

A. अनुच्छेद 14

B. अनुच्छेद 15

C. अनुच्छेद 16

D. अनुच्छेद 17

उत्तर- D. अनुच्छेद 17

7. एम. एन. श्रीनिवास की किस पुस्तक में संस्कृतिकरण की अवधारणा मिलती है?

A. Caste in Modern India

B. Hindu Society

C. Indian Village

D. Social Change in Modern India

उत्तर- A. Caste in Modern India

8. “Homo Hierarchicus” पुस्तक किस समाजशास्त्री ने लिखी?

A. जी. एस. घुर्ये

B. एम. एन. श्रीनिवास

C. लुई ड्यूमों

D. मैक्स वेबर

उत्तर-C. लुई ड्यूमों

9. लुई ड्यूमों के अनुसार जाति व्यवस्था का मूल सिद्धांत क्या है?

A. समानता

B. वर्ग संघर्ष

C. पदानुक्रम (Hierarchy)

D. आर्थिक शोषण

उत्तर- C. पदानुक्रम (Hierarchy)

10. “Caste, Class and Power” पुस्तक के लेखक कौन हैं?

A. आंद्रे बेतेई

B. एम. एन. श्रीनिवास

C. डी. पी. मुखर्जी

D. घुर्ये

उत्तर- A. आंद्रे बेतेई

11. आंद्रे बेतेई ने जाति का अध्ययन किस दृष्टिकोण से किया?

A. धार्मिक

B. ऐतिहासिक

C. संरचनात्मक-कार्यात्मक

D. मार्क्सवादी

उत्तर- C. संरचनात्मक-कार्यात्मक

12. डी. एन. मजूमदार ने जाति के अध्ययन में किस पद्धति पर बल दिया?

A. सांख्यिकीय

B. क्षेत्रीय अध्ययन

C. तुलनात्मक

D. ऐतिहासिक

उत्तर-B. क्षेत्रीय अध्ययन

13. "Social Change in Modern India" पुस्तक में एम. एन. श्रीनिवास ने किस प्रक्रिया की चर्चा की है?

A. पश्चिमीकरण

B. संस्कृतिकरण

C. औद्योगीकरण

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

14."जाति एक बंद वर्ग है" कथन किसका हैं ?

A. कूले

B. रिजले

C.मजुमदार और मदन

D.जी.एस.घुरिए

उत्तर-C.मजुमदार और मदन

15.Marriage and Family in India" पुस्तक के लेखक कौन हैं?

A. एम. एन. श्रीनिवास

B. के. एम. कपाड़िया

C. आंद्रे बेतेई

D. जी. एस. घुर्ये

उत्तर- B. के. एम. कपाड़िया

16.हिंदू परंपरागत विश्वास के अनुसार विवाह है-

A. समझौता

B. संस्कार

C. बंधन

D.औपचारिकता

उत्तर-B. संस्कार

17. विवाह को किसने बच्चों को पैदा करने और पालन पोषण करने के लिए एक संविदा के रूप में परिभाषित किया है-

A. मैंलिनोवस्की

B. वेस्टरमार्क

C. मर्डोक

D. टेलर

उत्तर-A. मैंलिनोवस्की

18.हिंदू विवाह अधिनियम कब लागू हुआ-

A.1956

B.1955

C.1978

D.1976

उत्तर -B.1955

19. धर्म को सामाजिक संस्था के रूप में किसने परिभाषित किया?

A. कार्ल मार्क्स

B. मैक्स वेबर

C. एमिल दुर्खीम

D. ऑगस्ट कॉम्ट

उत्तर-C.एमिल दुर्खीम

20. धर्म का प्रमुख कार्य क्या है?

A. सामाजिक नियंत्रण

B. सामाजिक एकता

C. नैतिकता

D. उपरोक्त सभी

उत्तर- D.उपरोक्त सभी

21. धर्म को “अफीम” किसने कहा?

A. दुर्खीम

B. वेबर

C. मार्क्स

D. कॉम्ट

उत्तर- C. मार्क्स

22. धर्म और अर्थव्यवस्था के संबंध का अध्ययन किसने किया?

A. दुर्खीम

B. वेबर

C. मार्क्स

D. स्पेंसर

उत्तर- B.वेबर

23. भारत में धर्म का स्वरूप कैसा है?

A. एकधार्मिक

B. बहुधार्मिक

C. नास्तिक

D. भौतिक

उत्तर- B.बहुधार्मिक

24. धार्मिक विश्वास किससे जुड़े होते हैं?

A. विज्ञान

B. तर्क

C. आस्था

D. राजनीति

उत्तर- C. आस्था

25.धर्म समाज को कैसे प्रभावित करता है?

A. संस्कृति द्वारा

B. मूल्यों द्वारा

C. मान्यताओं द्वारा

D. उपरोक्त सभी

उत्तर-D.उपरोक्त सभी

26.वर्ग का आधार क्या होता है?

A. जन्म

B. धर्म

C. आर्थिक स्थिति

D. लिंग

उत्तर- C.आर्थिक स्थिति

27.वर्ग संघर्ष का सिद्धांत किसने दिया?

A. वेबर

B. दुर्खीम

C. मार्क्स

D. कॉम्ट

उत्तर- C.मार्क्स

28. उच्च वर्ग का उदाहरण कौन सा है?

A. मजदूर

B. किसान

C. पूंजीपति

D. श्रमिक

उत्तर- C. पूंजीपति

29.संयुक्त परिवार की प्रमुख विशेषता है-

A. अलगाव

B. सहवास

C. व्यक्तिगत संपत्ति

D. स्वतंत्रता

उत्तर- B.सहवास

30. संयुक्त परिवार में संपत्ति कैसी होती है?

A. व्यक्तिगत

B. सामूहिक

C. सरकारी

D. अस्थायी

उत्तर- B.सामूहिक

31.इरावती कर्वे का संयुक्त परिवार संबंधी अध्ययन मुख्यतः आधारित है-

A. वर्ग पर

B. जाति पर

C. नातेदारी (Kinship)पर

D. धर्म पर

उत्तर- C.नातेदारी पर

32. संयुक्त परिवार को आर्थिक इकाई के रूप में किस समाजशास्त्री ने देखा?

A. एम. एन. श्रीनिवास

B. ए. आर. देसाई

C. राधाकमल मुखर्जी

D. गोपाल कृष्ण

उत्तर- B.ए. आर. देसाई

33. ए. आर. देसाई संयुक्त परिवार के परिवर्तन को किससे जोड़ते हैं?

A. धर्म

B. शिक्षा

C. औद्योगीकरण

D. जनसंख्या

उत्तर- C.औद्योगीकरण

34. संयुक्त परिवार में सत्ता और अधिकार किसके पास होते हैं?

A. महिलाओं के

B. बच्चों के

C. परिवार के मुखिया के

D. सभी के

उत्तर- C.परिवार के मुखिया के

35. संयुक्त परिवार के विघटन का प्रमुख सामाजिक कारण है-

A. नगरीकरण

B. औद्योगीकरण

C. व्यक्तिगतता

D. उपरोक्त सभी

उत्तर- D.उपरोक्त सभी

36. आधुनिक भारत में संयुक्त परिवार की स्थिति मानी जाती है-

A. पूर्णतः समाप्त

B. पूर्णतः स्थिर

C. परिवर्तनशील

D. अव्यवस्थित

उत्तर- C.परिवर्तनशील

37.सामाजिक वर्ग का निर्धारण करते समय सामान्यतः किस कारक को ध्यान में नहीं रखा जाता है?

A. आय

B. शिक्षा

C. व्यवसाय

D. जातीयता

उत्तर- D.जातीयता

38. चार वर्णों की अवधारणा किस धार्मिक ग्रंथ में उल्लिखित है?

A. भगवद गीता
B. ऋग्वेद
C. उपनिषद
D. मनुस्मृति
उत्तर- B. ऋग्वेद

39. हिंदू विवाह के स्वरूप हैं-

A. पांच

B. आठ

C. सात

D. नौ

उत्तर- B.आठ

डॉ. रश्मि सिंह

40.हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम लागू हुआ-

A.1856

B.1956

C.1865

D.1879

उत्तर- A.1856

41.बाल विवाह निरोधक अधिनियम को कहा जाता है-

A. रोलेक्ट एक्ट

B. शारदा एक्ट

C. चाइल्ड मैरिज एक्ट

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- B. शारदा एक्ट

42. मुस्लिम विवाह में मेहर कितने प्रकार का होता है ?

A.4

B.5

C.8

D.6

उत्तर - A.4

43. मुस्लिम विवाह विच्छेद अधिनियम लागू हुआ-

A. 1860

B. 1947

C. 1960

D. 1939

उत्तर- D.1939

44. “Urbanization and Family” पुस्तक के लेखक हैं-

A. के.एम.कपाडिया

B. एम.एस.गोरे

C. इरावती कर्वे

D. आई पी देसाई

उत्तर -B. एम.एस.गोरे

45.”एक सामाजिक वर्ग ऐसे व्यक्तियों का योग है जिनकी एक दिए हुए समाज में अनिवार्य रूप से समान सामाजिक स्थिति होती है” परिभाषा किसने दी -

A. आगबर्न तथा नीमका ॅफ

B. मैक्स वेबर

C. कार्ल मार्क्स

D. गोल्डनर

उत्तर-A.आगबर्न तथा नीमका ॅफ

46.मार्क्स के सिद्धांत में वर्ग चेतना का मुख्य तत्व है-

A. वर्ग और संस्कृति

B. वर्ग और श्रेणीकरण

C. अपने में वर्ग

D. अपने लिए वर्ग

उत्तर- D. अपने लिए वर्ग

47. संयुक्त परिवार में सामाजिक सुरक्षा किसे मिलती है?

A. वृद्धों को

B. बच्चों को

C. महिलाओं को

D. उपरोक्त सभी

उत्तर- D.उपरोक्त सभी

48. “Caste Old And New” पुस्तक के लेखक हैं-

A. योगेन्द्र सिंह

B. आंद्रे बेते

C.ए.आर.देसाई

D. डी.पी. मुखर्जी

उत्तर-B. आंद्रे बेते

49. कर्म की अवधारणा पाई जाती है

A. रामायण में

B. पुराणो में

C. भगवद्गीता में

D उपरोक्त में से किसी में नहीं

उत्तर-C. भगवद्गीता में

50. निम्नलिखित में से किसने जाति व्यवस्था का विश्लेषण पवित्रता और प्रदूषण के संदर्भ में किया

A. योगेश अटल

B. आंद्रे बेते

C. लुई ड्युमो

D. हट्टन

उत्तर-C. लुई ड्युमो

Unit VI

आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

भारत में सामाजिक वर्ग:

कृषक-ग्रामीण वर्ग संरचना - भारत के ग्रामीण समाज की वर्ग संरचना मुख्यतः भूमि के स्वामित्व, कृषि कार्य में भूमिका और आय के आधार पर निर्मित होती है। सबसे ऊपर भूमिधर/जमींदार वर्ग होता है, जिनके पास बड़ी जोतें और सामाजिक प्रभुत्व होता है। इसके बाद मध्यम कृषक वर्ग आता है, जो स्वयं खेती करता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। छोटे और सीमांत कृषक कम भूमि पर निर्भर रहते हैं तथा आर्थिक रूप से असुरक्षित होते हैं। सबसे निचले स्तर पर कृषि मजदूर वर्ग होता है, जो भूमि-विहीन होकर मजदूरी पर निर्भर करता है।

इस प्रकार भारतीय ग्रामीण समाज में कृषक वर्ग संरचना असमानता, निर्भरता और वर्ग विभाजन को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

औद्योगिक-नगरीय वर्ग संरचना- भारत में औद्योगिक-नगरीय समाज की वर्ग संरचना का विकास औद्योगीकरण, नगरीकरण और पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के प्रभाव से हुआ है। इसमें वर्गों की प्रकृति को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-

उच्च वर्ग- उच्च वर्ग में बड़े उद्योगपति, पूँजीपति, बड़े व्यापारी और उच्च प्रशासनिक अधिकारी शामिल होते हैं। इस वर्ग के पास उत्पादन के साधन, अधिक आय और सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव होता है।

मध्य वर्ग- मध्य वर्ग में प्रबंधक, शिक्षक, इंजीनियर, डॉक्टर, क्लर्क और कुशल कर्मचारी आते हैं। यह वर्ग शिक्षा, स्थिर आय और सम्मानजनक जीवन-स्तर पर आधारित होता है।

निम्न वर्ग- निम्न वर्ग में अकुशल व अर्धकुशल श्रमिक, दैनिक मजदूर और असंगठित क्षेत्र के कामगार शामिल होते हैं। इनकी आय कम, रोजगार अस्थिर और जीवन-परिस्थितियाँ कठिन होती हैं। यह वर्ग आर्थिक शोषण और सामाजिक असुरक्षा से सबसे अधिक प्रभावित रहता है।

अन्य पिछड़ा वर्ग- अन्य पिछड़े वर्ग का तात्पर्य उन जातियों से हैं जो जाति व्यवस्था में निम्न स्थान पर होते हुए भी अनुसूचित जातियों में शामिल नहीं है लेकिन जाति व्यवस्था के नियमों के कारण सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से बहुत पिछड़ी हुई है। इनके विकास और कल्याण के लिए कई आयोग गठित किए गए, जिनमें प्रमुख हैं काका कालेलकर आयोग (1953), जिसने पिछड़े वर्गों की पहचान की; और मंडल आयोग (1979), जिसने शिक्षा और रोजगार में आरक्षण सहित कल्याण नीतियों की सिफारिशें दी। इसके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों में राज्य स्तर के पिछड़ा वर्ग आयोग भी हैं, जो स्थानीय स्तर पर पिछड़े वर्गों की समस्याओं का अध्ययन और समाधान सुझाते हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में शामिल करना और सामाजिक समानता व राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देना है।

दलित- भारत में दलित वर्ग वे समाजिक समूह हैं जो परंपरागत रूप से जाति व्यवस्था में नीचे स्थान पर रहे और सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक रूप से वंचित रहे। दलितों को भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार, भूमि और रोजगार में असमानता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उनके उत्थान और संरक्षण के लिए संविधान में विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिनमें प्रमुख हैं: अनुच्छेद 15(4) (शिक्षा में आरक्षण), अनुच्छेद 17 (अछूत

प्रथा का निषेध), अनुच्छेद 46 (शैक्षिक और आर्थिक कल्याण हेतु राज्य की जिम्मेदारी), अनुच्छेद 330 और 332 (संसदीय और विधानसभाओं में आरक्षण), और अनुच्छेद 338 (राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की स्थापना)। इन प्रावधानों का उद्देश्य दलितों को सामाजिक समानता, अवसरों की उपलब्धता और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करना है।

भारतीय समाज में स्त्रियाँ- पितृसत्तात्मक व्यवस्था में एक स्त्री सदैव से ही उन अधिकारों और सुविधाओं से वंचित रही है जो साधारणतया पुरुषों को प्राप्त होते रहे हैं। विभिन्न कालों में स्त्रियों की परिस्थिति में परिवर्तन आए हैं,परन्तु आज भी स्त्रियों को पुरुषों के बराबर अधिकार प्राप्त नहीं हो रहे हैं। घर और कार्यस्थल दोनों ही जगहों पर स्त्रियों की सुरक्षा एक बहुत बड़ी चुनौती साबित हो रही है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानून और प्रावधान बनाए गए हैं, जो उन्हें यौन, घरेलू, शैक्षिक और कार्यस्थल सुरक्षा प्रदान करते हैं जैसे- POCSO एक्ट, 2012,घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005, राष्ट्रीय महिला आयोग, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना आदि।

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1.हरित क्रांति का सबसे अधिक प्रभाव किस पर पड़ा?

A. मध्यम किसान

B. बड़े किसान

C. छोटे किसान

D. भूमिहीन मजदूर

उत्तर- B.बड़े किसान

2. कृषक वर्ग की प्रमुख समस्या है–

A. बेरोजगारी

B. भूमि विखंडन

C. आवास

D. शिक्षा

उत्तर- B. भूमि विखंडन

3.ग्रामीण समाज की रीढ़ कहलाता है–

A. उद्योग

B. किसान

C. व्यापारी

D. कर्मचारी

उत्तर- B.किसान

4. कृषक वर्ग की सामाजिक स्थिति प्रभावित होती है–

A. भूमि स्वामित्व से

B. आय से

C. जाति से

D. उपर्युक्त सभी से

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी से

5. औद्योगिक वर्ग का विकास किस प्रक्रिया से हुआ?

A. शहरीकरण

B. औद्योगीकरण

C. पश्चिमीकरण

D. संस्कृतिकरण

उत्तर- B. औद्योगीकरण

6. औद्योगिक श्रमिक कार्य करते हैं–

A. खेतों में

B. कारखानों में

C. कार्यालयों में

D. दुकानों में

उत्तर- B. कारखानों में

7. औद्योगिक श्रमिकों की प्रमुख समस्या है–

A. असुरक्षित रोजगार

B. कम मजदूरी

C. शोषण

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

8. ट्रेड यूनियन का उद्देश्य है–

A. लाभ कमाना

B. श्रमिकों के हितों की रक्षा

C. सरकार की सहायता

D. उद्योग बंद करना

उत्तर- B.श्रमिकों के हितों की रक्षा

9.मध्यम वर्ग की प्रमुख विशेषता है–

A. उपभोग प्रवृत्ति

B. शिक्षा

C. आधुनिक दृष्टिकोण

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

10. भारतीय मध्यम वर्ग का विस्तार हुआ–

A. स्वतंत्रता के बाद

B. मध्यकाल में

C. वैदिक काल में

D. मुगल काल में

उत्तर: A. स्वतंत्रता के बाद

11.महिलाओं की निम्न सामाजिक स्थिति का प्रमुख कारण है–

A. अशिक्षा

B. आर्थिक निर्भरता

C. परंपरागत सोच

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर: D. उपर्युक्त सभी

12. "घरेलू हिंसा अधिनियम" लागू हुआ–

A. 1995

B. 2000

C. 2005

D. 2010

उत्तर- C.2005

13. भारत में "बाल विवाह निषेध अधिनियम" पारित हुआ–

A. 1929

B. 1955

C. 1976

D. 2006

उत्तर- A.1929

14. महिला सशक्तिकरण का प्रमुख साधन है–

A. शिक्षा

B. रोजगार

C. स्वास्थ्य

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर-D. उपर्युक्त सभी

15. दहेज प्रथा से सर्वाधिक प्रभावित होती हैं–

A. पुरुष

B. बच्चे

C. महिलाएँ

D. वृद्ध

उत्तर- C. महिलाएँ

16. कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव होता है–

A. वेतन में

B. पदोन्नति में

C. अवसरों में

D. उपर्युक्त सभी में

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी में

17. मातृसत्तात्मक समाज में सत्ता होती है–

A. पिता के पास

B. माता के पास

C. भाई के पास

D. राज्य के पास

उत्तर- B.माता के पास

18. भारत में महिला साक्षरता दर–

A. पुरुषों से अधिक है

B. समान है

C. पुरुषों से कम है

D. पूर्ण है

उत्तर- C.पुरुषों से कम है

19. 'लैंगिक समानता' का अर्थ है–

A. समान जैविक भूमिका

B. समान अधिकार व अवसर

C. समान कार्य

D. समान आय

उत्तर-B.समान अधिकार व अवसर

20. पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण दिया गया–

A. 33%

B. 20%

C. 40%

D. 50%

उत्तर- A. 33%

21. के. एल. शर्मा ने राजस्थान के कितने गांवों का अध्ययन किया ?

A. 5

B. 8

C. 6

D. 3

उत्तर-C. 6

22. “वर्ग तथ्यतः समूह होते हैं” किसने कहा-

A. बॉटोमोर

B. मर्टन

C.ममैकाइवर

D. पारसंस

उत्तर- A. बॉटोमोर

23. “भूमि ने जाति को व मशीनों ने वर्ग को जन्म दिया है” किसका कथन है-

A. मर्टन

B. पारसंस

C. माइकल यंग

D. के.एल.शर्मा

उत्तर- C. माइकल यंग

24. तंजौर के श्रीपुरम गांव का अध्ययन किसने किया?

A. माइकल यंग

B. के.एल.शर्मा

C. आन्द्रे बेते

D. रेडफील्ड

उत्तर -C. आन्द्रे बेते

25. निम्नलिखित में से कौन सा थार्नर द्वारा वर्णित कृषक वर्ग का प्रकार नहीं है-

A. भू स्वामी

B. कामकाजी कृषक

C. मजदूर

D. ज़मींदार

उत्तर- D. ज़मींदार

26. धनाग्रे ने कृषक वर्ग को कितने भागों में विभाजित किया?

A. 5

B. 6

C. 8

D. 4

उत्तर- A. 5

27.कृषक समाज को किसने अवशिष्ट समाज कहा ?

A. आंद्रे बेते

B. एस.सी. दुबे

C. क्रोबर

D. रॉबर्ट रेडफील्ड

उत्तर -D. रॉबर्ट रेडफील्ड

28. भारतीय संविधान में पिछड़े वर्ग का उल्लेख किस अनुच्छेद में है?

A. अनुच्छेद 14

B. अनुच्छेद 15

C. अनुच्छेद 15(4)

D. अनुच्छेद 21

उत्तर -C.अनुच्छेद 15(4)

29. पिछड़ा वर्ग का मुख्य आधार क्या माना गया है?

A. केवल आर्थिक

B. केवल धार्मिक

C. सामाजिक एवं शैक्षणिक

D. राजनीतिक

उत्तर - C. सामाजिक एवं शैक्षणिक

30. मंडल आयोग का गठन किस वर्ष हुआ था?

A. 1975

B. 1978

C. 1980

D. 1990

उत्तर -B. 1978

31. मंडल आयोग के अध्यक्ष कौन थे?

A. के.सी. पंत

B. बी.आर. अंबेडकर

C. बी.पी. मंडल

D. जवाहरलाल नेहरू

उत्तर - C. बी.पी. मंडल

32. मंडल आयोग की सिफारिशों के अनुसार OBC के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण का सुझाव दिया गया?

A. 22%

B. 27%

C. 33%

D. 49%

उत्तर - B.27%

33. पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना किस अनुच्छेद के अंतर्गत की गई?

A. अनुच्छेद 338

B. अनुच्छेद 340

C. अनुच्छेद 342

D. अनुच्छेद 356

उत्तर- B. अनुच्छेद 340

34. 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा किससे संबंधित है?

A. अनुसूचित जाति

B. अनुसूचित जनजाति

C. पिछड़ा वर्ग

D अल्पसंख्यक

उत्तर-C. पिछड़ा वर्ग

35. क्रीमी लेयर का उद्देश्य क्या है?

A. आरक्षण बढ़ाना

B. केवल अमीरों को लाभ देना

C. अपेक्षाकृत समृद्ध OBC को आरक्षण से बाहर रखना

D. सभी को आरक्षण देना

उत्तर- C. अपेक्षाकृत समृद्ध OBC को आरक्षण से बाहर रखना

36. पिछड़ा वर्ग की सूची कौन तैयार करता है?

A. राज्य सरकार

B. केंद्र सरकार

C. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

37. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा कब मिला?

A. 1990

B. 2005

C. 2018

D. 2020

उत्तर -C. 2018

38. पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A. राजनीतिक लाभ

B. सामाजिक न्याय

C. आर्थिक विकास

D. जनसंख्या नियंत्रण

उत्तर -B. सामाजिक न्याय

39. भारत में OBC आरक्षण मुख्यतः किस क्षेत्र में लागू है?

A. निजी क्षेत्र

B. शिक्षा और सरकारी नौकरियाँ

C. कृषि

D. व्यापार

उत्तर -B. शिक्षा और सरकारी नौकरियाँ

40. 'पिछड़ा वर्ग' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किस संदर्भ में हुआ?

A. स्वतंत्रता आंदोलन

B. संविधान निर्माण

C. पंचवर्षीय योजना

D. आपातकाल

उत्तर -B. संविधान निर्माण

41. निम्न में से कौन सामाजिक पिछड़ेपन का कारण है?

A. अशिक्षा

B. शहरीकरण

C. औद्योगीकरण

D. वैश्वीकरण

उत्तर -A. अशिक्षा

42. पिछड़ा वर्ग नीति का अंतिम लक्ष्य क्या है?

A. आरक्षण स्थायी करना

B. सामाजिक समानता स्थापित करना

C. जाति व्यवस्था को मजबूत करना

D. वर्ग संघर्ष बढ़ाना

उत्तर- B. सामाजिक समानता स्थापित करना

43."दलित" शब्द का प्रयोग मुख्यतः किस अर्थ में किया जाता है?

A. अल्पसंख्यक वर्ग

B. पिछड़ा वर्ग

C. सामाजिक रूप से शोषित एवं उत्पीड़ित वर्ग

D. जनजातीय वर्ग

उत्तर- C.सामाजिक रूप से शोषित एवं उत्पीड़ित वर्ग

44. भारतीय संविधान में दलित वर्ग को किस नाम से संबोधित किया गया है?

A. पिछड़ा वर्ग

B. अनुसूचित जाति

C. अनुसूचित जनजाति

D. अल्पसंख्यक

उत्तर- B.अनुसूचित जाति

45. अस्पृश्यता को भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में समाप्त किया गया है?

A. अनुच्छेद 14

B. अनुच्छेद 15

C. अनुच्छेद 16

D. अनुच्छेद 17

उत्तर- D.अनुच्छेद 17

46. दलित आंदोलन के प्रमुख विचारक कौन माने जाते हैं?

A. महात्मा गांधी

B. ज्योतिबा फुले

C. डॉ. भीमराव अंबेडकर

D. पेरियार

उत्तर- C.डॉ. भीमराव अंबेडकर

47. दलितों के सामाजिक बहिष्करण का प्रमुख आधार क्या रहा है?

A. भाषा

B. धर्म

C. जाति व्यवस्था

D. आर्थिक वर्ग

उत्तर- C.जाति व्यवस्था

48. महिलाओं के शोषण का प्रमुख सामाजिक कारण क्या माना जाता है?

A. जैविक कमजोरी

B. आर्थिक निर्भरता

C. राजनीतिक उदासीनता

D. प्राकृतिक कारक

उत्तर- B. आर्थिक निर्भरता

49. भारत में महिलाओं को मतदान का अधिकार कब प्राप्त हुआ?

A. 1935

B. 1947

C. 1950

D. 1955

उत्तर- C.1950

50. महिला सशक्तिकरण का प्रमुख साधन क्या है?

A. आरक्षण

B. शिक्षा और आत्मनिर्भरता

C. कानून

D. सामाजिक आंदोलन

उत्तर- B.शिक्षा और आत्मनिर्भरता

Unit VII

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिः
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

डॉ. रश्मि सिंह

भारत में जनसंख्या संरचना-

भारत की जनसंख्या विश्व की दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या है और इसकी संरचना लिंग, आयु, सामाजिक वर्ग, क्षेत्रीय वितरण और आर्थिक आधार पर विविधतापूर्ण है।

लिंग संरचना-पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में थोड़ी अधिक है, जिससे लिंगानुपात असमान है। कुछ राज्यों में यह असमानता और भी अधिक है, जो सामाजिक और आर्थिक कारणों से उत्पन्न होती है।

आयु संरचना- भारतीय जनसंख्या में युवा वर्ग सबसे बड़ा हिस्सा है, जो श्रमबल और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। वृद्ध और बच्चों का अनुपात भी ध्यान देने योग्य है, क्योंकि यह स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण नीतियों को प्रभावित करता है।

सामाजिक संरचना- भारतीय जनसंख्या जाति, धर्म और पिछड़े वर्गों के आधार पर विभाजित है। अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य पिछड़े वर्ग सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े रहे हैं।

आर्थिक संरचना- अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में कृषि पर आधारित जनसंख्या अधिक है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में उद्योग और सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त लोग रहते हैं।

भारत में जनसंख्या गतिकी - भारत में जनसंख्या गतिशीलता का अर्थ है जनसंख्या में वृद्धि, परिवर्तन और प्रवाह की प्रक्रिया। यह गतिशीलता जन्म दर, मृत्यु दर, प्रवासन और शहरीकरण जैसे कारकों से प्रभावित होती है।

भारत में पिछले कुछ दशकों में जन्म दर में कमी के बावजूद, कुल जनसंख्या लगातार बढ़ रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और चिकित्सा सुविधाओं के कारण मृत्यु दर घट रही है, जिससे जीवन प्रत्याशा बढ़ी है।

ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में रोजगार, शिक्षा और बेहतर जीवन अवसरों के लिए प्रवासन बढ़ा है।

बाल और युवा वर्ग की संख्या अधिक है, जिससे श्रमबल में वृद्धि और सामाजिक सेवाओं की मांग बढ़ रही है।

प्रमुख जनांकिकी सिद्धान्त-

माल्थस का सिद्धांत-

थॉमस माल्थस (1766-1834) ने जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों के बीच असंतुलन पर अपने सिद्धांत का प्रस्ताव रखा। उनके अनुसार जनसंख्या ज्यामितीय दर से बढ़ती है, जैसे 2, 4, 8, 16... अन्न और अन्य संसाधनों की आपूर्ति रैखिक दर से बढ़ती है, जैसे 1, 2, 3, 4...

जनसंख्या और संसाधनों के बीच असंतुलन से भुखमरी, रोग, युद्ध और प्राकृतिक आपदाएँ उत्पन्न होती हैं। ये “प्राकृतिक निगरानी तंत्र” के रूप में कार्य करती हैं और जनसंख्या को नियंत्रित करती हैं।

जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत

यह सिद्धांत 20वीं सदी के मध्य में फ्रैंक डब्ल्यू. नोटेस्टीन जैसे जनसांख्यिकीविदों द्वारा विकसित किया गया था। यह समाजों के आर्थिक विकास के साथ उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम जन्म और मृत्यु दर में ऐतिहासिक बदलाव का वर्णन करता है। इस सिद्धांत में आमतौर पर चार चरण होते हैं:

चरण 1: उच्च जन्म और मृत्यु दर

चरण 2: घटती मृत्यु दर

चरण 3: घटती जन्म दर और

चरण 4: कम जन्म और मृत्यु दर। इसलिए, आर्थिक विकास, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और शहरीकरण जनसांख्यिकीय संक्रमण के प्रमुख कारक है।

जनसंख्या का इष्टतम सिद्धांत- जनसंख्या का इष्टतम सिद्धांत सबसे पहले अर्थशास्त्री एडविन कैनन द्वारा 1924 में अपनी पुस्तक "वेल्थ" में विकसित किया गया था। उन्होंने प्रस्तावित किया कि किसी दिए गए क्षेत्र या समाज के भीतर लोगों की एक इष्टतम संख्या होती है जहाँ जीवन स्तर अधिकतम होता है। इस सिद्धांत के अनुसार, अधिक जनसंख्या और कम जनसंख्या दोनों ही आर्थिक कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। यह सुझाव देता है कि सामाजिक कल्याण के लिए सबसे अनुकूल स्थिति प्राप्त करने के लिए संतुलन बनाना चाहिए।

जनसंख्या विस्फोट- जनसंख्या विस्फोट अर्थ है किसी देश या दुनिया में जनसंख्या की अत्यधिक और तीव्र वृद्धि। यह विकासशील देशों में विशेष रूप से दिखाई देती है। भारत में जन्म दर अधिक और मृत्यु दर घटने के कारण जनसंख्या वृद्धि की दर तेजी से बढ़ी है।

कारण: 1.जन्म नियंत्रण उपायों का कम उपयोग।

2.ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य की कमी।

3.सांस्कृतिक और धार्मिक कारण, जैसे बच्चों की संख्या बढ़ाने की परंपरा।

परिणाम- 1.संसाधनों पर दबाव (भोजन, पानी, आवास)।

2.बेरोजगारी और गरीबी में वृद्धि।

3.स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं पर भार।

4.पर्यावरण और जीवन गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव।

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय-

1.परिवार नियोजन कार्यक्रम

2.महिला शिक्षा

3.विवाह की न्यूनतम आयु का पालन

4.स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

5.जनजागरूकता अभियान

6.आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा

7.कानूनी व नीतिगत उपाय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. जनांकिकी (Demography) का संबंध है–

A. संस्कृति से

B. अर्थव्यवस्था से

C. जनसंख्या के आकार, संरचना व परिवर्तन से

D. राजनीति से

उत्तर- C.जनसंख्या के आकार, संरचना व परिवर्तन से

2. जनसंख्या की आयु-संरचना को दर्शाने वाला ग्राफ कहलाता है–

A. बार चार्ट

B. पाई चार्ट

C. जनसंख्या पिरामिड

D. रेखा ग्राफ

उत्तर- C. जनसंख्या पिरामिड

3. भारत की जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होने का प्रमुख कारण है–

A. उच्च मृत्यु दर

B. उच्च जन्म दर

C. प्रवास

D. नगरीकरण

उत्तर- B. उच्च जन्म दर

4. जनसंख्या विस्फोट से तात्पर्य है–

A. जनसंख्या में स्थिरता

B. जनसंख्या में धीमी वृद्धि

C. जनसंख्या में अत्यधिक तीव्र वृद्धि

D. जनसंख्या में गिरावट

उत्तर- C.जनसंख्या में अत्यधिक तीव्र वृद्धि

5. भारत में पहली जनगणना कब हुई थी?

A. 1872

B. 1881

C. 1901

D. 1921

उत्तर- B.1881

6. भारत में जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत हुई–

A. 1947

B. 1952

C. 1961

D. 1971

उत्तर- B.1952

7. जनसंख्या परिवर्तन का अध्ययन कहलाता है–

A. समाजीकरण

B. जनांकिकीय संक्रमण

C. शहरीकरण

D. आधुनिकीकरण

उत्तर- B. जनांकिकीय संक्रमण

8. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत के प्रवर्तक हैं–

A. कार्ल मार्क्स

B. माल्थस

C. डब्ल्यू. थॉम्पसन

D. मैक्स वेबर

उत्तर- C.डब्ल्यू. थॉम्पसन

9. माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत आधारित है–

A. अंकगणितीय व ज्यामितीय वृद्धि पर

B. केवल जन्म दर पर

C. केवल मृत्यु दर पर

D. प्रवास पर

उत्तर- A.अंकगणितीय व ज्यामितीय वृद्धि पर

10. माल्थस के अनुसार जनसंख्या बढ़ती है–

A. अंकगणितीय श्रेणी में

B. ज्यामितीय श्रेणी में

C. स्थिर रूप में

D. अनियमित रूप में

उत्तर- B.ज्यामितीय श्रेणी में

11. भारत में सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है–

A. महाराष्ट्र

B. बिहार

C. उत्तर प्रदेश

D. पश्चिम बंगाल

उत्तर- C. उत्तर प्रदेश

12. जनसंख्या घनत्व का अर्थ है–

A. कुल जनसंख्या

B. प्रति परिवार जनसंख्या

C. प्रति वर्ग किमी जनसंख्या

D. शहरी जनसंख्या

उत्तर- C. प्रति वर्ग किमी जनसंख्या

13. भारत की जनसंख्या संरचना का प्रमुख लक्षण है–

A. वृद्ध जनसंख्या

B. युवा जनसंख्या

C. स्थिर जनसंख्या

D. अल्प जनसंख्या

उत्तर- B. युवा जनसंख्या

14. निर्भरता अनुपात (Dependency Ratio) दर्शाता है–

A. कामकाजी जनसंख्या

B. गैर-कार्यशील जनसंख्या का अनुपात

C. कुल जनसंख्या

D. प्रवासी जनसंख्या

उत्तर- B. गैर-कार्यशील जनसंख्या का अनुपात

15. जनसंख्या वृद्धि से निम्न में से कौन-सी समस्या बढ़ती है?

A. बेरोजगारी

B. गरीबी

C. आवास समस्या

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

16. भारत में मृत्यु दर में कमी का मुख्य कारण है–

A. शिक्षा

B. चिकित्सा सुविधाएँ

C. औद्योगीकरण

D. शहरीकरण

उत्तर- B. चिकित्सा सुविधाएँ

17. परिवार नियोजन का मुख्य उद्देश्य है–

A. जनसंख्या बढ़ाना

B. जनसंख्या नियंत्रित करना

C. विवाह को रोकना

D. प्रवास को बढ़ाना

उत्तर- B.जनसंख्या नियंत्रित करना

18. जनसंख्या वृद्धि का आर्थिक प्रभाव है–

A. संसाधनों पर दबाव

B. आय में असमानता

C. विकास में बाधा

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

19. भारत में जनसंख्या विस्फोट का सामाजिक कारण है–

A. बाल विवाह

B. अशिक्षा

C. पुत्र-प्राथमिकता

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

20. जनसंख्या नियंत्रण का सबसे प्रभावी साधन है–

A. दंड

B. कानून

C. शिक्षा व जागरूकता

D. प्रवास

उत्तर- C. शिक्षा व जागरूकता

21. जनांकिकीय आंकड़ों का मुख्य स्रोत है–

A. सर्वेक्षण

B. जनगणना

C. साक्षात्कार

D. अवलोकन

उत्तर- B.जनगणना

22. जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरणीय प्रभाव है–

A. वनों की कटाई

B. प्रदूषण

C. संसाधनों का क्षय

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

23. भारत में शिशु मृत्यु दर अधिक होने का कारण है–

A. कुपोषण

B. गरीबी

C. स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

24. जनसंख्या नीति का संबंध है–

A. शिक्षा से

B. स्वास्थ्य से

C. परिवार नियोजन से

D. उपर्युक्त सभी से

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी से

25. जनसंख्या वृद्धि का राजनीतिक प्रभाव है–

A. मतदान प्रतिशत

B. संसाधनों का वितरण

C. प्रतिनिधित्व

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी से

26. भारत में नगरीकरण का जनसंख्या पर प्रभाव है–

A. ग्रामीण पलायन

B. झुग्गी-झोपड़ी वृद्धि

C. रोजगार दबाव

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

27. जनसंख्या अध्ययन समाजशास्त्र की किस शाखा से जुड़ा है?

A. ग्रामीण समाजशास्त्र

B. औद्योगिक समाजशास्त्र

C. जनांकिकी

D. शिक्षा समाजशास्त्र

उत्तर- C.जनांकिकी

28. जनसंख्या वृद्धि और गरीबी के बीच संबंध है–

A. नकारात्मक

B. सकारात्मक

C. कोई संबंध नहीं

D. अनिश्चित

उत्तर- B.सकारात्मक

29. भारत में जनसंख्या नियंत्रण हेतु प्रमुख कार्यक्रम है–

A. साक्षर भारत

B. परिवार कल्याण कार्यक्रम

C. मध्याहन भोजन

D. स्किल इंडिया

उत्तर- B.परिवार कल्याण कार्यक्रम

30. जनसंख्या संरचना में लिंग अनुपात का अर्थ है–

A. पुरुषों की संख्या

B. महिलाओं की संख्या

C. प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएँ

D. प्रति परिवार सदस्य

उत्तर- C.प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएँ

31. भारत में निम्न लिंग अनुपात का कारण है–

A. भ्रूण हत्या

B. सामाजिक भेदभाव

C. स्वास्थ्य असमानता

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

32. जनसंख्या वृद्धि का शिक्षा पर प्रभाव है–

A. विद्यालयों पर दबाव

B. ड्रॉपआउट

C. संसाधनों की कमी

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

33. जनसंख्या विस्फोट का समाधान है–

A. आर्थिक विकास

B. महिला शिक्षा

C. स्वास्थ्य सेवाएँ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D. उपर्युक्त सभी

34. जनसंख्या वृद्धि का सांस्कृतिक कारण है–

A. धार्मिक विश्वास

B. परंपराएँ

C. पुत्र कामना

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

35. जनांकिकीय अध्ययन उपयोगी है–

A. नीति निर्माण में

B. योजना निर्माण में

C. विकास अध्ययन में

D. उपर्युक्त सभी में

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी में

36. भारत की जनसंख्या नीति का मूल लक्ष्य है–

A. जनसंख्या समाप्त करना

B. जनसंख्या स्थिरीकरण

C. प्रवास रोकना

D. शहरीकरण बढ़ाना

उत्तर- B.जनसंख्या स्थिरीकरण

37.भारत में जनसंख्या वृद्धि का चरण है–

A. उच्च जन्म-उच्च मृत्यु

B. उच्च जन्म-निम्न मृत्यु

C. निम्न जन्म-निम्न मृत्यु

D. निम्न जन्म-उच्च मृत्यु

उत्तर- B. उच्च जन्म-निम्न मृत्यु

38. जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं की भूमिका है–

A. सीमित

B. गौण

C. केंद्रीय

D. नगण्य

उत्तर- C.केंद्रीय

39. जनसंख्या विस्फोट का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है–

A. अमीर वर्ग पर

B. मध्यम वर्ग पर

C. गरीब वर्ग पर

D. सभी पर समान

उत्तर- C.गरीब वर्ग पर

40. भारत में जनसंख्या वृद्धि का स्वास्थ्य पर प्रभाव है–

A. अस्पतालों पर दबाव

B. डॉक्टरों की कमी

C. स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

41. जनसंख्या अध्ययन का व्यावहारिक उपयोग है–

A. रोजगार योजना

B. शिक्षा योजना

C. स्वास्थ्य योजना

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

डॉ. रश्मि सिंह

42. जनसंख्या वृद्धि से प्राकृतिक संसाधनों पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि–

A. अत्यधिक उपयोग

B. अपव्यय

C. संरक्षण की कमी

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

43. भारत में जनसंख्या नियंत्रण की सबसे बड़ी बाधा है–

A. अशिक्षा

B. गरीबी

C. सामाजिक परंपराएँ

D. उपर्युक्त सभी

उत्तर- D.उपर्युक्त सभी

44.जनसंख्या और विकास के बीच संबंध है–

A. स्वतंत्र

B. परस्पर संबंधित

C. विरोधी

D. असंबंधित

उत्तर- B.परस्पर संबंधित

45. "AN ESSAY ON PRINCIPLES OF POPULATION" नामक पुस्तक के लेखक हैं-

A. डेविस

B. माल्थस

C. डाल्टन

D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर -B. माल्थस

46. निम्नलिखित में से कौन "अनुकूलतम जनसंख्या के सिद्धांत" का समर्थक नहीं है-

A. डेविस

B. एडवर्ड

C.डाल्टन

D.रॉबिन्स

उत्तर- A. डेविस

47. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएँ) था–

A. 933

B. 940

C. 943

D. 950

उत्तर - C. 943

48. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर थी–

A. 65.4%

B. 68.2%

C. 71.0%

D. 74.04%

उत्तर- D. 74.04%

49. जनगणना 2011 के अनुसार भारत का जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी) था–

A. 324

B. 356

C. 382

D. 410

उत्तर- C. 382

50. निम्न में से कौन-सा जनांकिकीय घटक नहीं है?

A. जन्म दर

B. मृत्यु दर

C. प्रवास

D. औद्योगीकरण

उत्तर- D.औद्योगीकरण

Unit VIII

भारत में सामाजिक परिवर्तन और रुपांतरण- भारत में सामाजिक परिवर्तन से आशय समाज की संरचना, संस्थाओं, मूल्यों और जीवन-शैली में होने वाले क्रमिक बदलाव से है। औपनिवेशिक काल के बाद शिक्षा, औद्योगीकरण, नगरीकरण, लोकतंत्र और विज्ञान-प्रौद्योगिकी के प्रभाव से भारतीय समाज में तीव्र परिवर्तन हुए हैं। जाति व्यवस्था में लचीलापन आया है, संयुक्त परिवार का स्थान धीरे-धीरे एकल परिवार ले रहा है तथा महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ है। शिक्षा, संचार माध्यमों और संवैधानिक प्रावधानों ने समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया है। इस प्रकार भारत में सामाजिक परिवर्तन एक जटिल, बहुआयामी और निरंतर प्रक्रिया है, जो परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करती है।

सामाजिक रुपांतरण की प्रक्रियाएं-

1. औद्योगीकरण
2. नगरीकरण
3. आधुनिकीकरण
4. पश्चिमीकरण
5. संस्कृतिकरण

राष्ट्रीय एकीकरण का अर्थ- राष्ट्रीय एकीकरण को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें विभिन्न इकाइयाँ अपने सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, भाषाई, धार्मिक और क्षेत्रीय भेदभावों को भुलाकर राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना से एक साझा राष्ट्रीय पहचान के अंतर्गत संगठित होती हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य विविधताओं के बीच एकता, सहयोग और पारस्परिक विश्वास को सुदृढ़ करना है, ताकि राष्ट्र की अखंडता, स्थिरता और विकास सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रीय एकीकरण को प्रभावित करने वाले कारक-

जातिवाद- जातिवाद समाज को ऊँच-नीच और संकीर्ण जातीय पहचान के आधार पर विभाजित करता है। इससे सामाजिक एकता कमजोर होती है और राष्ट्रीय भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। राजनीति में जातिवाद का प्रयोग राष्ट्रीय एकीकरण के लिए गंभीर चुनौती है।

साम्प्रदायवाद- साम्प्रदायवाद धर्म के आधार पर समाज में विभाजन उत्पन्न करता है। यह विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच अविश्वास और तनाव को बढ़ाता है। इसके कारण राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द को क्षति पहुँचती है।

क्षेत्रवाद- क्षेत्रवाद वह भावना है जिसमें लोग राष्ट्रीय हित से ऊपर अपने क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देने लगते हैं। इससे विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के बीच वैमनस्य, असमानता और अलगाव की भावना बढ़ती है। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय एकीकरण और देश की अखंडता प्रभावित होती है।

नक्सलवाद- नक्सलवाद एक उग्रवादी आंदोलन है जो सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के विरुद्ध हिंसक संघर्ष पर आधारित है। यह राज्य की सत्ता को चुनौती देता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करता है। नक्सलवाद से आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्रीय एकीकरण दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

भारत में जाति की राजनीति- भारत में जाति की राजनीति से आशय राजनीतिक प्रक्रियाओं में जाति की भूमिका और प्रभाव से है। स्वतंत्रता के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था, सार्वभौमिक मताधिकार और चुनावी राजनीति के विस्तार के साथ जाति एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कारक बन गई। राजनीतिक दल मतदाताओं को संगठित करने, समर्थन प्राप्त करने और सत्ता हासिल करने के लिए जातिगत पहचान का उपयोग करते हैं।

जाति की राजनीति ने एक ओर पिछड़े और वंचित वर्गों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व और अधिकार दिलाने में सहायता की है, वहीं दूसरी ओर इसने जातिगत ध्रुवीकरण, सामाजिक विभाजन और संकीर्ण हितों को भी बढ़ावा दिया है। इस प्रकार भारत में जाति की राजनीति सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकीकरण–दोनों पर गहरा प्रभाव डालती है।

भारत में साम्प्रदायिकता की राजनीति- भारत में साम्प्रदायिकता की राजनीति से आशय राजनीति में धर्म का उपयोग सत्ता और जनसमर्थन प्राप्त करने के लिए करना है। बहुधार्मिक समाज होने के कारण विभिन्न राजनीतिक दल कभी-कभी धार्मिक पहचान को उभारकर मतदाताओं को प्रभावित करते हैं। इससे धार्मिक समुदायों के बीच भेदभाव, अविश्वास और तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है।

साम्प्रदायिक राजनीति लोकतांत्रिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्षता को कमजोर करती है तथा सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकीकरण के लिए चुनौती बनती है। यद्यपि संविधान सभी धर्मों को समान अधिकार देता है, फिर भी साम्प्रदायिक राजनीति समाज में विभाजन और संघर्ष को बढ़ावा देती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

1. सामाजिक परिवर्तन से क्या तात्पर्य है?

A. सामाजिक स्थिरता

B. सामाजिक संरचना में परिवर्तन

C. प्राकृतिक परिवर्तन

D. राजनीतिक परिवर्तन

उत्तर- B.सामाजिक संरचना में परिवर्तन

2. भारतीय समाज में परिवर्तन का प्रमुख कारण कौन-सा है?

A. जाति व्यवस्था

B. औद्योगीकरण

C. परिवार व्यवस्था

D. धर्म

उत्तर- B.औद्योगीकरण

3. 'संस्कृतिकरण' की अवधारणा किस समाजशास्त्री ने दी?

A. एम.एन. श्रीनिवास

B. जी.एस. घुर्ये

C. इरावती कर्वे

D. योगेन्द्र सिंह

उत्तर- A. एम.एन. श्रीनिवास

4. संस्कृतिकरण की प्रक्रिया मुख्यतः किस समाज में देखी जाती है?

A. शहरी समाज

B. ग्रामीण समाज

C. औद्योगिक समाज

D. वैश्विक समाज

उत्तर- B. ग्रामीण समाज

5. पश्चिमीकरण (Westernization) की अवधारणा किससे संबंधित है?

A. भारतीय परंपराएँ

B. धार्मिक परिवर्तन

C. पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

D. ग्रामीण जीवन

उत्तर- C.पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

6. औद्योगीकरण का सबसे अधिक प्रभाव किस पर पड़ा है?

A. धर्म

B. परिवार

C. भाषा

D. जाति

उत्तर- B. परिवार

7. संयुक्त परिवार से एकल परिवार की ओर परिवर्तन किसका परिणाम है?

A. नगरीकरण

B. संस्कृतिकरण

C. परंपरावाद

D. धर्म

उत्तर- A.नगरीकरण

8. नगरीकरण का प्रमुख परिणाम क्या है?

A. सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि

B. सामाजिक स्थिरता

C. जाति कठोरता

D. परंपराओं में वृद्धि

उत्तर- A. सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि

9. सामाजिक गतिशीलता का अर्थ है–

A. समाज में स्थिरता

B. सामाजिक स्थिति में परिवर्तन

C. आर्थिक असमानता

D. धार्मिक परिवर्तन

उत्तर- B.सामाजिक स्थिति में परिवर्तन

10. शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का कौन-सा साधन है?

A. निष्क्रिय

B. तटस्थ

C. सक्रिय

D. सीमित

उत्तर - C. सक्रिय

11. लोकतंत्र का प्रभाव किस रूप में देखा जाता है?

A. सामाजिक असमानता

B. समानता और अधिकार

C. धार्मिक कट्टरता

D. जातिगत भेद

उत्तर- B.समानता और अधिकार

12. महिला सशक्तिकरण किस प्रकार का परिवर्तन है?

A. जैविक

B. आर्थिक

C. सामाजिक

D. प्राकृतिक

उत्तर- C.सामाजिक

13. भारतीय समाज में रूपांतरण का संबंध किससे है?

A. केवल परंपरा

B. केवल आधुनिकता

C. संरचनात्मक परिवर्तन

D. प्राकृतिक परिवर्तन

उत्तर- C.संरचनात्मक परिवर्तन

14. संचार माध्यम सामाजिक परिवर्तन को कैसे प्रभावित करते हैं?

A. नकारात्मक रूप से

B. परिवर्तन को धीमा करके

C. परिवर्तन को तेज करके

D. कोई प्रभाव नहीं

उत्तर- C. परिवर्तन को तेज करके

15. जाति व्यवस्था में परिवर्तन का प्रमुख कारण है–

A. धर्म

B. शिक्षा और कानून

C. परंपरा

D. रूढ़िवाद

उत्तर- B.शिक्षा और कानून

16. सामाजिक रूपांतरण का अर्थ है–

A. अस्थायी परिवर्तन

B. गहन एवं व्यापक परिवर्तन

C. प्राकृतिक परिवर्तन

D. व्यक्तिगत परिवर्तन

उत्तर -B.गहन एवं व्यापक परिवर्तन

17. सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया है–

A. एकरूप

B. रुकने वाली

C. निरंतर

D. अस्थायी

उत्तर- C.निरंतर

18. आधुनिकीकरण की प्रक्रिया का प्रमुख आधार है–

A. परंपरावाद

B. तर्कसंगतता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण

C. धार्मिक विश्वास

D. जातिगत निष्ठा

उत्तर- B.तर्कसंगतता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण

19. औद्योगीकरण का सामाजिक प्रभाव मुख्यतः किस रूप में दिखाई देता है?

A. संयुक्त परिवार की मजबूती

B. ग्रामीण जीवन का विस्तार

C. शहरीकरण और वर्ग व्यवस्था का विकास

D. जाति व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण

उत्तर- C.शहरीकरण और वर्ग व्यवस्था का विकास

20. 5. संस्कृतिकरण की अवधारणा किससे संबंधित है?

A. निम्न जातियों द्वारा उच्च जातियों की जीवन शैली अपनाना

B. पश्चिमी मूल्यों को अपनाना

C. औद्योगिक संस्कृति का विकास

D. शहरी जीवन शैली का विस्तार

उत्तर- A. निम्न जातियों द्वारा उच्च जातियों की जीवन शैली अपनाना

21. पश्चिमीकरण की संकल्पना प्रतिपादित की थी–

A) कार्ल मार्क्स

B) मैक्स वेबर

C) एम.एन. श्रीनिवास

D) ए.आर. देसाई

उत्तर- C.एम.एन. श्रीनिवास

22. निम्नलिखित में से सामाजिक रूपांतरण की प्रक्रिया नहीं है–

A. आधुनिकीकरण

B. औद्योगीकरण

C. समाजीकरण

D. नगरीकरण

उत्तर - C.समाजीकरण

23 . राष्ट्रीय एकीकरण का तात्पर्य है–

A. सांस्कृतिक विविधता का अंत

B. राजनीतिक केंद्रीकरण

C. विभिन्न समूहों में एकता की भावना

D. केवल आर्थिक समानता

उत्तर- C.विभिन्न समूहों में एकता की भावना

24. जातिवाद का प्रमुख प्रभाव किस पर पड़ता है?

A. सामाजिक गतिशीलता

B. राष्ट्रीय एकता

C. औद्योगीकरण

D. वैश्वीकरण

उत्तर- B.राष्ट्रीय एकता

25. जातिवाद का अर्थ है–

A. जातियों के बीच सहयोग

B. जाति के आधार पर भेदभाव

C. सामाजिक सुधार

D. धार्मिक एकता

उत्तर- B.जाति के आधार पर भेदभाव

26. भारत में जाति की राजनीति का प्रमुख उद्देश्य होता है–

A. सामाजिक समानता

B. धार्मिक सुधार

C. चुनावी लाभ

D. राष्ट्रीय विकास

उत्तर- C.चुनावी लाभ

27. जाति आधारित राजनीति किसे बढ़ावा देती है?

A. राष्ट्रीय एकता

B. लोकतांत्रिक मूल्य

C. सामाजिक विभाजन

D. आर्थिक विकास

उत्तर- C.सामाजिक विभाजन

28. साम्प्रदायिकता किस पर आधारित होती है?

A. भाषा

B. वर्ग

C. धर्म

D. क्षेत्र

उत्तर- C.धर्म

29. साम्प्रदायिकता का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

A. सामाजिक समरसता

B. राष्ट्रीय एकीकरण

C. सामाजिक तनाव

D. आर्थिक समानता

उत्तर- C. सामाजिक तनाव

30. साम्प्रदायिकता की राजनीति का मुख्य उद्देश्य है–

A. धार्मिक सहिष्णुता

B. सत्ता प्राप्ति

C. सामाजिक सुधार

D. शिक्षा का विकास

उत्तर- B.सत्ता प्राप्ति

31. भारत में साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देने वाला प्रमुख कारक कौन-सा है?

A. औद्योगीकरण

B. शिक्षा

C. राजनीतिक स्वार्थ

D. वैज्ञानिक दृष्टिकोण

उत्तर- C.राजनीतिक स्वार्थ

32. राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूत करने में कौन सहायक है?

A. जातिवाद

B. साम्प्रदायिकता

C. संवैधानिक मूल्य

D. क्षेत्रवाद

उत्तर- C.संवैधानिक मूल्य

डॉ. रश्मि सिंह

33. जातिवाद किस प्रकार का विचार है?

A. उदारवादी

B. विभाजनकारी

C. प्रगतिशील

D. मानवतावादी

उत्तर- B.विभाजनकारी

34. साम्प्रदायिक राजनीति का सबसे अधिक दुष्प्रभाव किस पर पड़ता है?

A. शिक्षा व्यवस्था

B. सामाजिक एकता

C. आर्थिक विकास

D. प्रशासन

उत्तर- B. सामाजिक एकता

35. भारत का संविधान किस प्रकार की राजनीति का विरोध करता है?

A. लोकतांत्रिक

B. समाजवादी

C. साम्प्रदायिक

D. धर्मनिरपेक्ष

उत्तर- C.साम्प्रदायिक

36. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है–

A. एक धर्म को बढ़ावा देना

B. धर्म का विरोध

C. सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान

D. धार्मिक शासन

उत्तर- C. सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान

37. जाति की राजनीति का सकारात्मक पक्ष क्या माना जाता है?

A. सामाजिक भेदभाव

B. कमजोर वर्गों की राजनीतिक भागीदारी

C. राष्ट्रीय विघटन

D. साम्प्रदायिक तनाव

उत्तर- B. कमजोर वर्गों की राजनीतिक भागीदारी

38. राष्ट्रीय एकीकरण में सबसे बड़ी बाधा क्या है?

A. सांस्कृतिक विविधता

B. सामाजिक असमानता

C. वैज्ञानिक विकास

D. शिक्षा

उत्तर- B. सामाजिक असमानता

39. साम्प्रदायिकता को रोकने में सहायक तत्व है–

A. राजनीतिक हस्तक्षेप

B. धार्मिक कट्टरता

C. मूल्यपरक शिक्षा

D. जातीय संगठन

उत्तर- C.मूल्यपरक शिक्षा

40. जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता किसे कमजोर करती है?

A. लोकतंत्र

B. संविधान

C. राष्ट्रीय एकता

D. उपरोक्त सभी

उत्तर- D. उपरोक्त सभी

41.भारत में जाति और धर्म आधारित राजनीति किस स्तर पर अधिक प्रभावी है?

A. वैश्विक

B. राष्ट्रीय

C. स्थानीय एवं क्षेत्रीय

D. अंतरराष्ट्रीय

उत्तर- C. स्थानीय एवं क्षेत्रीय

42. राष्ट्रीय एकीकरण का आधार है–

A. समान भाषा

B. समान धर्म

C. साझा नागरिकता और संवैधानिक मूल्य

D. आर्थिक समानता

उत्तर- C.साझा नागरिकता और संवैधानिक मूल्य

43. भारत में नक्सलवाद की शुरुआत सबसे पहले कहाँ हुई?

A. पश्चिम बंगाल

B. झारखंड

C. बिहार (नक्सलबाड़ी)

D. महाराष्ट्र

उत्तर- C.बिहार (नक्सलबाड़ी)

44. नक्सलवाद को किस प्रकार की हिंसक गतिविधि कहा जाता है?

A. आर्थिक सुधार

B. सामाजिक आन्दोलन

C. सशस्त्र विद्रोह

D. सांस्कृतिक उत्सव

उत्तर- C. सशस्त्र विद्रोह

45. नक्सलवाद का मुख्य उद्देश्य क्या है?

A. आर्थिक और सामाजिक समानता की स्थापना

B. धार्मिक सहिष्णुता बढ़ाना

C. शिक्षा का प्रचार

D. औद्योगीकरण को बढ़ावा देना

उत्तर- A.आर्थिक और सामाजिक समानता की स्थापना

46. "Cast In Indian Politics" पुस्तक के लेखक हैं-

A. रजनी कोठारी

B. एमएन श्रीनिवास

C. मौरिस जोन्स

D. के.एन.शर्मा

उत्तर -A. रजनी कोठारी

47. ऑल इंडिया मुस्लिम लीग की स्थापना हुई-

A. 1857 में

B. 1906 में

C. 1932 में

D. 1940 में

उत्तर -B. 1906 में

48. "Annihilation of Caste" पुस्तक के लेखक हैं-

A. रजनी कोठारी

B. डॉ भीमराव अम्बेडकर

C. महात्मा गाँधी

D. डी.पी.मुखर्जी

उत्तर -B. डॉ भीमराव अम्बेडकर

49. भारतीय समाज में परिवर्तन के अध्ययन हेतु द्वंदात्मक ऐतिहासिक उपागम किसने प्रस्तुत किया?

A. मैक्स वेबर

B. दुर्खीम

C. कार्ल मार्क्स

D. लुई डेमो

उत्तर -C. कार्ल मार्क्स

50. राष्ट्रीय एकीकरण को प्रभावित करने वाले कारक है-

A. जातिवाद

B. साम्प्रदायिकता

C. नक्सलवाद

D. उपरोक्त सभी

उत्तर- D.उपरोक्त सभी